जीवन दर्शन

कभी भी आप ऐसा न सोचें की आप क्या कर सकते है बल्कि आप हमेसा ऐसा सोचे की आप क्या नहीं कर सकते हैं।
-जान वुडेन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

टी-20 वर्ल्ड कप- ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 67 रन से हराया, जम्पा ...

पृष्ठ 8 पर

www.globalherald.news

गुरुवार 12 फरवरी, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 2 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

जन गण मन से पहले गाया जाएगा वंदे मातरम

सभी 6 पैरा गाना जरूरी, स्कूलों में राष्ट्रगीत के बाद शुरू होगी पढ़ाई, सिनेमाघरों को छूट

नई दिल्ली ■

केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में वंदे मातरम बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई।

आदेश में साफ लिखा है कि अगर राष्ट्रगीत वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन साथ में गाए या बजाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम गाया जाएगा। इस दौरान गाने या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा। आदेश के मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरूआत राष्ट्रगीत बजाने के बाद ही होगी। नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया है किन-किन मौकों पर राष्ट्रगीत गाया जा सकता है, इसकी पूरी लिस्ट देना संभव नहीं है। यह पहली बार है जब राष्ट्रगीत के गायन को लेकर डिटेल में प्रोटोकॉल जारी किए गए हैं। केंद्र इस समय वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम मना रहा है। नई गाइडलाइन के अनुसार, तिरंगा फहराने, किसी कार्यक्रमों में राष्ट्रपति के आगमन, राष्ट्र के नाम उनके भाषणों और संबोधनों से पहले और बाद में, और राज्यपालों के आगमन और भाषणों से पहले और बाद में सहित कई आधिकारिक अवसरों पर वंदे मातरम बजाना अनिवार्य होगा। मंत्रियों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौजूदगी वाले गैर-औपचारिक लेकिन जरूरी कार्यक्रमों में भी राष्ट्रगीत सामूहिक रूप से गाया जा सकता है, बशर्ते इसे पूरा सम्मान और शिष्टाचार के साथ पेश किया जाए।

बंकिम चंद्र ने 1875 में लिखा था, आनंदमठ में छपा था

भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम को बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के पावन अवसर पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया। यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गई थीं। वंदे मातरम एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे

मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था।

सिनेमा हॉल में लागू नहीं होंगे नए नियम

हालांकि, सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले वंदे मातरम बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। वहीं अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों के लिए खड़ा होना जरूरी नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में खड़े होने से प्रदर्शन में व्यवधान और अव्यवस्था हो सकती है। मंत्रालय ने कहा है कि अब से राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण ही गाया या बजाया जाएगा और इसे सामूहिक गायन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने माना- एपस्टीन से 3-4 मुलाकातें हुई

नई दिल्ली ■

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन या चार बार मिले थे। यह बातचीत पूरी तरह से प्रोफेशनल थी, जो इंडिपेंडेंट कमीशन ऑन मल्टीलेटरलिज्म और दूसरे इंटरनेशनल कामों से जुड़ी थी। पुरी ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लोकसभा में एपस्टीन विवाद में उनका नाम लेने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने एपस्टीन के आपराधिक मामलों से अपना कोई संबंध होने के आरोपों को बेबुनियाद बताया। पुरी ने कहा, जब मैंने मई 2009 से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला था, तब से लेकर 2017 में मंत्री बनने तक की अवधि के 30 लाख ईमेल जारी किए गए हैं। इस दौरान, केवल तीन या चार बैठकों का ही जिक्र मिलता है और मेरी बातचीत पूरी तरह से पेशेवर थी। दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में एपस्टीन फाइल्स को लेकर पुरी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था- अनिल अंबानी को जेल क्यों नहीं हुई? क्योंकि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं जानता हूं कि उनको एपस्टीन से किसने मिलवाया था। हरदीप पुरी भी जानते हैं कि किसने मिलवाया था। पुरी ने यह भी बताया कि वे लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन से भी मिले थे, लेकिन यह मुलाकात भारत में इंटरनेट और कारोबार के अवसरों पर पेशेवर चर्चा के लिए थी। पुरी ने साफ कहा कि इन मुलाकातों का किसी भी तरह की गलत गतिविधि से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि वे उस समय एक निजी नागरिक के रूप में भारत के अवसरों के बारे में अपनी समझ साझा कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी शूटर समेत 9 लोगों की मौत

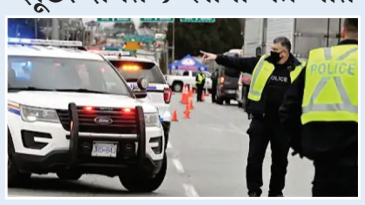

ओटावा। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में एक हाईस्कूल में गोलीबारी हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। अभी तक ये जानकारी नहीं आई है कि मरने वालों में कोई छात्र है या नहीं। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है। इलाके के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि हालात काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अपने परिवार वालों को ढूंढने के लिए बाहर निकल आए हैं, वे घर लौट जाएं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस गोलीबारी के बाद अपना जर्मनी दौरा रद्द कर दिया है। सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, हादसे वाले टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में 7 से 12 क्लास तक के कुल 175 छात्र पढ़ते हैं। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बताया कि संदिग्ध एक महिला थी, जिसने स्कूल ड्रेस पहन रखी थी और उसके बाल भूरे थे। उसका शव स्कूल के अंदर मिला।

तख्तापलट, हिंसा और 'क्रांति' के बाद बनेगा सपनों का बांग्लादेश?

नई दिल्ली। बांग्लादेश में कथित क्रांति की बयार जुलाई/अगस्त 2024 में आई. अब 18 महीने बाद गुरुवार 12 फरवरी को बांग्लादेश नया नेतृत्व चुनने के लिए तैयार है. भारत के पड़ोसी देश के इतिहास में ये मोड है जिससे बांग्लादेश का भविष्य तय होगा. ये चुनाव तय करेगा कि ढाका का शासन उदारवादी लोकतांत्रिक शक्तियों के हाथ में होगा अथवा यहां भी कट्टरपंथी ताकतें कब्जा जमाएगी. गौरतलब है कि बांग्लादेश में अप्रैल 2024 में ही चुनाव हुए थे. अब ये देश 2 वर्ष से भी कम समय के अंतराल में एक बार फिर नई सरकार की बाट जोह रहा है. पिछले 18 महीने बांग्लादेश के लिए आसान नहीं रहे हैं. इन 18 महीनों में बांग्लादेश हिंसा, आगजनी, लूटपाट और अव्यवस्था का शिकार होता रहा. अगस्त 2024 में छात्रों की अगुआई में हुई क्रांति ने शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार को उखाड़ फेंका. सरकार का पतन होते ही हसीना भारत भाग गईं. इस दौरान बांग्लादेश में हिंसा में 1,400 से ज्यादा मौतें हुई.

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बोले-

अमेरिका ने हमारा इस्तेमाल किया, मतलब निकलने पर टॉयलेट पेपर की तरह फेंका

इस्लामाबाद ■

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को संसद में कहा कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया। पाकिस्तान रक्षा मंत्री ने कहा, हमने अफगानिस्तान में दो जंग लड़ीं।

इसमें इस्लाम और मजहब के नाम पर हिस्सा लिया, लेकिन असल में दो सैन्य तानाशाहों (जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ) ने वैश्विक ताकत का समर्थन पाने के लिए ऐसा किया। उन्होंने 1979 में सोवियत संघ के हस्तक्षेप का जिक्र करते हुए कहा कि यह कदम अफगान सरकार के न्योते पर उठाया गया था, लेकिन अमेरिका ने इसे सीधा हमला बताकर अपनी तरह से नरेटिव तैयार किया। आसिफ ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ 1999 के बाद हुई नई रणनीतिक साझेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ खड़े होने की कीमत पाकिस्तान आज भी चुका रहा है।

राहुल ने कहा- सरकार ने भारत माता को बेच दिया...

सीतारमण का जवाब- भारत को कांग्रेस ने बेचा, किसानों के हक से सौदा किया

नई दिल्ली ■

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को बजट पर बोलते हुए कहा कि सरकार ने इंडिया-वर ट्रेड डील के जरिए भारत माता को बेच दिया है। यह पूरी तरह सरेंडर है। अब अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे। हमारा फैसला प्रधानमंत्री नहीं करेंगे।

राहुल के आरोपों के जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- कांग्रेसी कहते हैं कि मोदी ने सरेंडर कर दिया। मैं बताती हूं कि भारत को किसने बेचा। इसे कांग्रेस ने बेचा। बाली में जाकर सौदा करके आए थे। ट्रेड फेलिसिटेशन पर साइन करके आ गए थे। भारत के फायदे के लिए उसमें कुछ नहीं थी। उन्होंने कहा कि किसानों के हक से समझौता करने वाली कांग्रेस है। मोदी ने 2014 में डब्ल्यूटीओ में जाकर इसे सुधारा। ये गरीबों को राशन दे नहीं पा रहे थे और ये मोदी जी पर आरोप लगा रहे हैं। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा के दौरान एपस्टीन फाइल्स और अडाणी पर अमेरिका में चल रहे केस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अडाणी पर चल रहा केस, दरअसल मोदी पर दबाव बनाने का तरीका है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल को टोकते हुए कहा- आपने जो भी कहा है साबित करिए। इस पर कांग्रेस नेता ने जवाब दिया- अभी देता हूं। तुरंत सारे सबूत देता हूं। हालांकि, स्पीकर ने राहुल को टोक दिया। वहीं, किरेन रिजिजू ने बाद में कहा कि हम राहुल गांधी के खिलाफ संसद में विशेषाधिकार का नोटिस पेश करेंगे।

सीतारमण बोलीं- बंगाल में पेट्रोल दिल्ली से 10 ज्यादा महंगा

वित्त मंत्री ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के जीएसटी को लेकर आरोपों पर कहा- अभिषेक ने कहा कि जन्म से लेकर मरने तक लोग जीएसटी दे रहे हैं। वह ये बातें कहां से ला रहे हैं। दूध के ऊपर कब जीएसटी लगा, पढ़ाई पर कब लगा? पीछे बैठे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि वहां कट मनी लगती है, इसे सीतारमण ने भी दोहराया। सीतारमण ने कहा- आप बंगाल में स्टेट जीएसटी हटा सकते हैं, पर ऐसा क्यों नहीं कर रहे? पैसा भी चाहते हैं और बदनाम भी कर रहे हैं। आप अगर बंगाल में लोगों पर बोझ कम करना चाहते हैं तो वहां पेट्रोल के दाम दिल्ली से 10 रुपए ज्यादा है, उसे कम कर दीजिए।

वृंदावनः उद्घाटन के दिन ही होटल बना आग का गोला, 3 झुलसे

मथुरा। मथुरा के वृंदावन स्थित रुक्मिणी विहार इलाके में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नए बने सिद्धि विनायक होटल में उद्घाटन के कुछ ही घंटों बाद भीषण आग लग गई। होटल का शुभारंभ बड़े उत्साह के साथ किया गया था, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही समय में यह खुशी दहशत में बदल जाएगी। आग लगते ही होटल के भीतर घना धुआं भर गया और चीख-पुकार मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि होटल में मौजूद लोग संभल भी नहीं पाए। होटल मालिक के भतीजे सोनू के अनुसार, उद्घाटन समारोह में परिवार और मेहमानों समेत करीब 40 लोग अंदर मौजूद थे।

अब रूस नहीं, अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदेगा भारत

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश की सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों से कहा है कि वे अब अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने पर विचार करें। अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, अमेरिका के साथ हुई हालिया ट्रेड डील के बाद भारत सरकार ने यह अनुरोध किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रेड डील के ऐलान के दौरान कहा था कि भारत ने रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद करने का वादा किया है। सरकार ने कंपनियों से कहा है कि जब भी टेंडर के जरिए स्पॉट मार्केट से तेल खरीदें, तो अमेरिकी तेल को प्राथमिकता दें। सरकार ने वेनेजुएला के कच्चे तेल को लेकर भी ऐसा अनुरोध किया है।

जनजातीय समुदाय की समृद्धि का आधार बन रहे हैं वन मेले : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन हमारी वसुंधरा का वैभव हैं, धरती की धरोहर और धरा का अलंकरण हैं। वन हमारी राष्ट्रीय पूंजी हैं। इनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन मेले प्रदेश की समृद्ध जैविक और वानस्पतिक विविधताओं को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम हैं। इनके जरिए हमारे जनजातीय भाई-बहनों को अपने वनोत्पाद और काष्ठ शिल्प विक्रय करने का सुनहरा मौका मिलता है।

उन्होंने कहा कि श्री महाकाल वन मेले की आज से शुरूआत हो गई है। ये मेला शीघ्र ही अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। मेले में प्रदर्शित जड़ी-बूटियां तथा विभिन्न प्रकार के शुद्ध एवं सुरक्षित अकाष्ठीय लघु

वनोत्पाद आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों से रोगोपचार में बेहद उपयोगी होते हैं। वनौषधियां हर रोग के इलाज में कारगर साबित हो रही हैं। इनसे असंभव रोग का इलाज भी संभव हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय बजट-2026 में एम्स की तर्ज पर देश में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खोलने की घोषणा की गई है। इनमें से एक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान भगवान धनवंतरी की कर्मभूमि और सिंहस्थ भूमि उज्जैन में स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को धार्मिक नगरी उज्जैन में पहली बार आयोजित श्री महाकाल वन मेला-2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस वन मेले में नागरिकों को प्राकृतिक रंग-गुलाल मिलेंगे। इसमें नाड़ी वैद्य और आयुर्वेदिक चिकित्सक भी अपनी सेवाएं देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन मेले में प्रदर्शित काष्ठ और बांस से निर्मित एथनिक क्रॉफ्ट आइटम्स न केवल पारम्परिक शिल्पकला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं, बल्कि सबके घरों की शोभा भी बढ़ाते हैं। उन्होंने उज्जैन के नागरिकों से अपील की कि वे इस वन मेले का भरपूर लाभ उठाएं और प्रदेश की वन संपदा तथा जनजातीय उत्पादों का उपयोग कर सबको प्रोत्साहित भी करें।

नोटिस के बाद पेंगुइन रैंडम हाउस के दफ्तर पहुंची दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली ■

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल (विशेष प्रकोष्ठ) ने 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया' को नोटिस जारी कर पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक को सोशल मीडिया पर उपलब्ध कराने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है।

दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस ने पूर्व सेना प्रमुख की पुस्तक को लेकर दर्ज मामले में और सीक्रेट एक्ट व कॉपी राइट की धाराएं भी जोड़ी हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस की एक टीम बुधवार को गुरुग्राम में पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के ऑफिस में पहुंची और करीब ढाई घंटे तक जांच पड़ताल की। टीम वहां से कुछ कागजात भी अपने साथ लाई है। दिल्ली पुलिस की

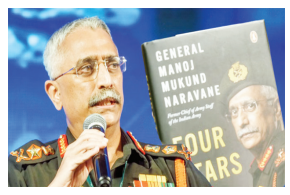

स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह नोटिस ऐसे समय में जारी किया गया, जब पुस्तक की स्थिति और अनधिकृत संस्करणों के कथित अवैध प्रसार के विरोध में दावे किए जा रहे हैं, जिससे प्रकाशक, पूर्व सेना प्रमुख और वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियां एक व्यापक सार्वजनिक विवाद में शामिल हो गई हैं। पुलिस के अनुसार विशेष प्रकोष्ठ ने नोटिस के माध्यम से प्रकाशक से औपचारिक रूप से संपर्क कर कई सवाल पूछे हैं और उनके विस्तृत जवाब मांगे हैं।

व्यंग्य : राहुल गांधी को अपना ही देश बिक गया क्यों लगता..?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

शीर्षक में सवाल भी है और आश्चर्य भी होता है कि राहुल गांधी जिस देश में कांग्रेस पार्टी से सांसद व नेता प्रतिपक्ष हैं वह क्या भारत को अपना देश नहीं मानते जो बार बार ' देश बेच दिया ' कह देते हैं और जब बिक ही गया है तो इस देश की संसद में कैसे बोल रहे हैं.. वैसे राहुल गांधी ने 11 फरवरी को फिर ऐसा बोलकर अगस्त 2025 में सुप्रीम कोर्ट का वह कथन ताजा करा दिया, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहता, हालांकि वह चीन का मुद्दा था पर नसीहत थी कि कुछ भी ना बोलें..?

ट्रेड डील के अपडेट जाने बिना राहुल गांधी का एक ही राग : मोदी ने देश बेच दिया..!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत के बाद ट्रम्प द्वारा लागू सिर्फ 18 फीसदी टेरिफ ने कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सर्वाधिक टेंशन दे दिया है, हालांकि अन्य विपक्षी दल के नेता भी आगामी चुनावों में हार के डर से बैचेन होकर ट्रेड डील के ताजा अपडेट जाने बिना ही सरकार के विरुद्ध बयानबाजी कर रहे हैं. ट्रेड डील में ताजा अपडेट यह है कि संशोधित फैक्ट शीट में अमेरिका ने 500 अरब डॉलर के आयात की बंदिश हटाकर भारत का ऐसा इरादा बता दिया है और कृषि व दाल शब्द भी हटाकर भारत सरकार के इस दावे को मजबूती दी है कि सरकार किसानों के

हितों से कोई समझौता नहीं करेगी. इन अपडेट एवं आगे और क्या होना है उसे जाने बिना ही राहुल गांधी घोर हताशा में 11 फरवरी को संसद में बोलते हुए फिर वही राग अलापा ' मोदी ने देश बेच दिया ' केंद्रीय मंत्री किरण रिजूजी ने आपत्ति ली और कहा कोई भी माई का लाल देश नहीं बेच सकता. खैर बीजेपी नेताओं के विरोध बाद भी राहुल गांधी अपनी भड़ास मार्शल आर्ट में उपयोगी शब्दों के आधार पर निकालते रहे और डाटा बिकने से लेकर किसानों के हितों को बेच दिया तो 140 करोड़ लोगों के हित बेच दिए के अलावा अडानी, अम्बानी आदि भी बजट से हटकर बोलते रहे, जबकि वित्तमंत्री ने बजट के फायदे बताए. राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री हरदीपसिंह पुरी को एपस्टीन फाइल पर घेरा तो उन्होंने भी पूरी स्थिति का खुलासा कर दिया. इधर राहुल गांधी द्वारा बिना दस्तावेज के आरोप लगाने के आधार पर सत्ता पक्ष उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव ला सकता है.खैर राहुल गांधी के हिसाब से सब कुछ बिक गया है, क्या ये घोर हताशा नहीं है..?

सुप्रीम कोर्ट बोला-वांगचुक ने भाषणों में हिंसा पर चिंता जताई, इसमें उकसावा कहां?

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सोनम वांगचुक की एनएसए के तहत हिरासत पर सुनवाई की। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि क्या उनके भाषण और सोशल मीडिया पोस्ट सच में भड़काऊ थे। अदालत ने यह भी सवाल किया कि इन बयानों का 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा से सीधा संबंध कैसे जुड़ता है।

केंद्र की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने कहा कि वांगचुक के भाषणों से युवा भड़के और हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि वांगचुक ने नेपाल जैसे हालात बनने की चेतावनी

देकर लोगों को उकसाया। इस पर कोर्ट ने पूछा कि भाषण में ऐसा कहां है। वह तो कह रहे हैं कि कुछ युवाओं ने यह रास्ता अपना लिया है और वह खुद हैरान हैं। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा कि भाषण पढ़ने से लगता है वांगचुक हिंसा का समर्थन नहीं कर रहे, बल्कि उसे लेकर चिंता जता रहे हैं। सरकार ने 2 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि सोनम वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वांगचुक को फिलहाल रिहा नहीं किया जा सकता। बेंच ने सरकार से वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा करने के बारे में पूछा था।

5 हजार से ज्यादा कैश नहीं ले सकेंगे पदाधिकारी

भाजपा ने आजीवन सहयोग निधि में पारदर्शिता के लिए बनाई गाइड लाइन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भाजपा ने आजीवन सहयोग निधि अभियान में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। अब 20 हजार रुपये से अधिक की सहयोग राशि देने वाले दानदाताओं से पैन कार्ड लेना अनिवार्य होगा, जबकि 5 हजार रुपये से अधिक की राशि नकद स्वीकार नहीं की जाएगी।

पांच हजार से ऊपर की राशि केवल चेक या बैंकिंग माध्यमों से ही ली जाएगी। प्रदेश भाजपा का यह आजीवन सहयोग निधि अभियान 11 फरवरी से शुरू होकर करीब दो महीने तक चलेगा। अभियान को पूरी तरह टारगेट आधारित बनाया गया है। प्रदेश के प्रत्येक जिले को अलग-अलग राशि जुटाने का लक्ष्य दिया जाएगा, जिसे जिले के संगठनात्मक ढांचे, गतिविधियों और सालाना खर्च के अनुमान के आधार पर तय किया जाएगा। जिन जिलों में संगठन बड़ा और गतिविधियां अधिक हैं, वहां लक्ष्य भी उसी अनुपात में ज्यादा रखा जाएगा। अभियान के संचालन के लिए जिलों में जिला प्रभारी और जिला सह-प्रभारियों की नियुक्ति की जा रही है। राज्य स्तर पर भी प्रभारी और सह-प्रभारी बनाए गए हैं। प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी पूर्व विधायक गोपी कृष्ण नेमा को सौंपी गई है, जबकि पूर्व सांसद आलोक संजर और सतना के महापौर योगेश ताम्रकार को सह-प्रभारी बनाया गया है।

राशि का उपयोग जिला कार्यालयों के संचालन के लिए

भाजपा संगठन ने स्पष्ट किया है कि आजीवन सहयोग निधि के माध्यम से जुटाई गई राशि का उपयोग जिला कार्यालयों के संचालन, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण शिविरों, बैठकों, नियमित प्रशासनिक खर्चों और कार्यकताओं के प्रवास आदि पर किया जाएगा। अभियान के दौरान सहयोग राशि एकत्र करने के लिए जिलों में प्रभारी, सह-प्रभारी और सदस्यों की टीम बनाई गई है। ये टीमें दानदाताओं से संपर्क कर सहयोग निधि प्राप्त करेंगी। हर दानदाता को रसीद देना अनिवार्य होगा और प्राप्त राशि का पूरा लेखा-जोखा पार्टी के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। नियमों के अनुसार, पांच हजार रुपये तक की राशि नकद या कूपन के माध्यम से ली जा सकेगी। पांच हजार रुपये से अधिक की राशि चेक द्वारा ही स्वीकार की जाएगी, जबकि बीस हजार रुपये से ऊपर सहयोग देने वालों का पैन कार्ड लेना अनिवार्य होगा। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि पूरे अभियान में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाएगी, ताकि भविष्य में किसी भी तरह के सवाल या आपत्ति की गुंजाइश न रहे।

करोड़पति बनने के चक्कर में नशा बेचने लगे इंजीनियरिंग कॉलेज के पास पुलिस ने पकड़ा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर क्राइम ब्रांच ने नशीले पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने मंगलवार को शहर के प्रतिष्ठित एसजीएसआईटीएस कॉलेज के पास घेराबंदी करते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा है। पकड़े गए युवकों के पास से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ जब्त किया गया है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने इस पूरी कार्रवाई के बारे में जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि विभाग को लगातार शहर में मादक पदार्थों की सप्लाई की खबरें मिल रही थीं। इसी दौरान मुखबिर के माध्यम से पुख्ता सूचना प्राप्त हुई कि कॉलेज परिसर के पास दो संदिग्ध युवक नशे की खेप पहुंचाने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई और एसजीएसआईटीएस कॉलेज के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय के समीप जाल बिछाया गया।

पुलिस को देख भागने की कोशिश

जब क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची तो वहां दो युवक खड़े दिखाई दिए। पुलिस को अपनी ओर आता देख दोनों आरोपियों ने वहां से भागने का प्रयास किया। हालांकि सतर्क पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए उन्हें भागने का मौका नहीं दिया और दोनों को हिरासत में ले लिया। जब उनकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई तो उनके पास से कुल 10.46 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस जब्त की गई ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 10 हजार रुपए आंकी जा रही है।

अधिक मुनाफे का लालच पड़ा भारी

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे जल्द से जल्द अधिक पैसा कमाना चाहते थे और इसी लालच में आकर वे अवैध नशे के कारोबार में उतर गए। फिलहाल पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि यह नशा कहां से लाया गया था और शहर के किन-किन इलाकों या व्यक्तियों को इसकी सप्लाई की जानी थी।

आरोपियों की पहचान और पृष्ठभूमि

पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम सौरभ सोनकर और गौरव मालवीय बताया है। ये दोनों ही इंदौर के पालदा क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सौरभ केवल 11वीं तक पढ़ा है और मजदूरी का काम करता है, जबकि गौरव स्नातक पास है और गाड़ी चलाने का काम करता है।

दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमिनार एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन

इंदौर। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग इन्दौर द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिला स्तरीय दो दिवसीय सेमीनार एवं जिला स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन 14 फरवरी से प्रारंभ होगा। यह आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को प्रातः 10 बजे से ग्रामीण हाट बाजार ढक्कनवाला कुआं इन्दौर में किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उप संचालक उद्यान ने बताया कि इस दो दिवसीय सेमीनार एवं प्रदर्शनी में वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं विषय-विशेषज्ञों द्वारा उद्यानिकी फसलों में उन्नत पुष्प खेती, मशरूम उत्पादन, उद्यानिकी फसलों की मार्केटिंग एवं निर्यात (एक्सपोर्ट) तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

आपसी खींचतान में उलझ रही आईडीए अध्यक्ष की कुर्सी

भाजपा संगठन भी हार मानने की कगार पर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगर प्रतिनिधि आईडीए अध्यक्ष की कुर्सी का फैसला सत्ता में आने के दो साल बाद भी नहीं हो पाया है। दिग्गजों के बीच कहानी उलझ गई है और इसी कारण से एक-दूसरे के समर्थक को बनने नहीं दिया जा रहा है। शिवराजसिंह चौहान जब मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने जयपालसिंह चावड़ा को आईडीए अध्यक्ष बनवा दिया था। चावड़ा इंदौर के संगठन मंत्री थे। जैसे ही 2023 के चुनाव हुए और शिवराजसिंह चौहान की मुख्यमंत्री पद से विदाई हुई, तो मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया और कैलाश विजयवर्गीय को मंत्री, विजयवर्गीय के मंत्री बनते ही जयपालसिंह चावड़ा की सबसे पहले रवानगी हुई, क्योंकि उस गुट से चावड़ा की बनती नहीं थी।

मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद ये माना जा रहा था कि आईडीए अध्यक्ष का फैसला भी जल्दी हो जाएगा, लेकिन कहानी उलझ गई है। ऐसे में मुख्यमंत्री ही इंदौर के प्रभारी भी बन गए। यहां से दो मंत्री हैं, जिसमें कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट शामिल हैं। तीन दिग्गजों के बीच कुर्सी का फैसला अटक गया है। सरकार को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं और उसके बावजूद भी निर्णय नहीं हो पा रहा है। कहानी ये है कि संगठन और सत्ता में तालमेल के बाद भी फैसला नहीं हो पा रहा है। हर कोई इस कुर्सी के लिए जोर-आजमाइश कर रहा है। पुराने नेताओं में पूर्व विधायक गोपी नेमा, सुदर्शन गुप्ता और जीतू जिराती लगे हुए हैं। जीतू जिराती का दावा मजबूत दिख रहा है, क्योंकि उन्हें विधानसभा का टिकट भी नहीं मिला था। संगठन में भी उन्होंने अच्छा काम किया है। गोपी नेमा नगर अध्यक्ष रह चुके हैं और गुप्ता भी। युवा नेताओं में टीनू जैन का दावा भी प्रबल माना जा रहा है। उन्होंने एक नंबर से विधानसभा का टिकट मांगा था, लेकिन यहां विजयवर्गीय को मौका मिल गया। फिर नगर अध्यक्ष की दौड़ में शामिल हुए, तो यहां से भी उन्हें निराशा हाथ लगी। अब आईडीए अध्यक्ष की कुर्सी की आस है। दूसरा नाम मोहित वर्मा का भी है, जो पहले उपाध्यक्ष रह चुके हैं। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर की अगुवाई में वो कोशिश कर रहे हैं। नानूराम कुमावत और मुकेश राजावत का नाम भी दौड़ रहा है। देखना है कि लाटरी किसकी लगती है।

दरवाजा बजाकर शुरू किया विवाद, चाकू से किया जानलेवा हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पलासिया थाना क्षेत्र में हुई हत्या के प्रयास की सनसनीखेज वारदात में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज छह घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है। इस तेज कार्रवाई से साफ संकेत मिला है कि शहर में गंभीर अपराध करने वालों को अब तत्काल कानून के शिकंजे में लिया जाएगा।

घटना 8 फरवरी 2026 की रात की है। गणेश नगर निवासी राजेश पिता शिवनारायण शर्मा अपने मित्र धर्मेंद्र के साथ बड़वानी प्लाजा स्थित उसके फ्लैट पर गए थे। देर रात अचानक पास में रहने वाले तीन युवक बिना किसी स्पष्ट कारण के उनके फ्लैट का दरवाजा बजाने लगे। दरवाजा खुलते ही आरोपियों ने विवाद शुरू कर दिया और देखते ही देखते गाली-गलौज व मारपीट पर उतर आए। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने राजेश पर जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला कर दिया। हमले में राजेश को चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित ने 9 फरवरी को थाना पलासिया पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 115(2), 296(ए) एवं 3(5) के तहत प्रकरण कायम किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी जोन-03 के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह रघुवंशी ने तुरंत एक विशेष टीम गठित की। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए तकनीकी साक्ष्य और सूचना तंत्र की मदद से तीनों आरोपियों–शुभम कुमार (27), पंकज (25) और पंकज पुरी (26), निवासी खंडवा–को मात्र छह घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से हमले में प्रयुक्त चाकू भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले की विवेचना जारी है और पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। इस त्वरित कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि इंदौर पुलिस गंभीर अपराधों को लेकर पूरी तरह सतर्क है और अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

श्री वैष्णव विद्यापीठ की कैंटीन पर सवाल

कुत्ते द्वारा समोसे खाने का वीडियो वायरल, स्वच्छता पर उठे प्रश्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सांवेर रोड स्थित श्री वैष्णव विद्यापीठ कॉलेज की कैंटीन से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद कॉलेज प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल हो रहे वीडियो में एक कुत्ता कैंटीन में छात्रों के लिए रखे बेक समोसे को खाते हुए दिखाई दे रहा है।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो कॉलेज के ही एक छात्र ने रिकॉर्ड किया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि खाद्य सामग्री खुले में रखी हुई है और उस पर किसी प्रकार की निगरानी या सुरक्षा व्यवस्था नजर नहीं आ रही। इस घटना के सामने आने के बाद कॉलेज कैंटीन की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं। छात्रों का कहना है कि यदि यह वीडियो सामने नहीं आता तो अनजाने में वही समोसे विद्यार्थियों को परोस दिए जाते, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था। फिलहाल इस मामले में कॉलेज प्रबंधन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। छात्रों और अभिभावकों ने मांग की है कि कैंटीन की व्यवस्था की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित की जाए।

गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एमआर-10 जक्शन पर बनाए जा रहे ओवरब्रिज का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओवरब्रिज का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता मानकों के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सुरक्षा और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

गायब हुआ समीर कुएं में मिला, खेल-खेल में दोस्तों ने ही दिया था धक्का

इंदौर। खजराना पुलिस ने एक नाबालिग लड़के की संदिग्ध मौत के मामले की गुत्थी सुलझाते हुए उसके दो दोस्तों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि खेल-खेल में हुए विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया कि दोस्तों ने ही उसे कुएं में धकेल दिया जिससे उसकी जान चली गई। पुलिस के अनुसार समीर राठौर अपने दोस्तों के साथ खेलने के लिए निकला था। पटेल नगर का रहने वाला समीर जब काफी देर तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में उसका शव पुष्प विहार कॉलोनी के पास एक गहरे कुएं में मिला। शुरूआती दौर में समीर के साथ मौजूद दोनों दोस्त पुलिस को गुमराह करते रहे और उन्होंने साथ होने की बात से साफ इनकार कर दिया था।

श्रवण यंत्र प्रकरण में उपभोक्ता को बड़ी राहत, इंदौर उपभोक्ता आयोग का महत्वपूर्ण आदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, इंदौर की सदस्य डॉ. निधि बारगे (इंदौर-एक) ने श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) की आपूर्ति एवं सेवा में कमी से संबंधित एक प्रकरण में उपभोक्ता के हित में महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया है। आयोग ने श्रवण यंत्र की गुणवत्ता में खामी तथा शिकायत के निराकरण में लापरवाही को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत सेवा में कमी मानते हुए विपक्षी पक्ष को राशि वापसी एवं क्षतिपूर्ति प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

प्रकरण के अनुसार परिवादी द्वारा चिकित्सकीय परामर्श एवं विपक्षी पक्ष के आश्वासन पर 73 हजार रुपये मूल्य का श्रवण यंत्र क्रय किया गया था। परिवादी का कहना था कि यंत्र कान में सही ढंग से फिट नहीं हुआ, जिससे उन्हें अत्यधिक दर्द, असुविधा एवं मानसिक कष्ट का सामना करना पड़ा। परिवादी द्वारा बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद विपक्षी पक्ष द्वारा यंत्र को केवल सुधारने का प्रयास किया गया, किंतु समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। इसके बाद परिवादी ने श्रवण यंत्र की राशि वापस करने की मांग की, परंतु निर्धारित समय में राशि लौटाई नहीं गई। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, इंदौर की सदस्य डॉ. निधि बारगे द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों, शपथ-पत्रों एवं तर्कों के सूक्ष्म परीक्षण के उपरांत यह निष्कर्ष निकाला गया कि परिवादी को अपेक्षित एवं संतोषजनक सेवा प्रदान नहीं की गई।

ट्रांसजेंडर मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर इनामी राशि बढ़ायी

इंदौर। भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं धारा-18 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का अधिकार संरक्षण अधिनियम 2019 में फरार आरोपी अक्षय कुमायुं निवासी इन्दौर की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) नगरीय पुलिस श्री अमित सिंह ने 20 हजार रुपये का नगद इनाम घोषित किया है। सूचनाकर्ता की पहचान, उसकी इच्छा अनुसार, पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। एक से अधिक सूचनाकर्ता अथवा पुलिस अधिकारी/कर्मचारी होने की स्थिति में उद्घोषित पुरस्कार के वितरण संबंधी अंतिम निर्णय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) नगरीय पुलिस इन्दौर का मान्य होगा। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) नगरीय पुलिस श्री अमित सिंह ने बताया कि उक्त प्रकरणों में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु हरसंभव प्रयास किए जाने के बावजूद आरोपी घटना दिनांक से निरंतर फरार है। आज दिनांक तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पूर्व में 18 अक्टूबर 2025 को 10 हजार रुपये इनाम की घोषणा की गई थी। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस रेग्युलेशन के अंतर्गत कोई व्यक्ति या पुलिस अधिकारी/कर्मचारी थाना पंढरीनाथ पर पंजीबद्ध उपरोक्त प्रकरणों में फरार आरोपी अक्षय कुमायुं निवासी इन्दौर की पतारसी/गिरफ्तारी हेतु सूचना देगा अथवा गिरफ्तारी करेगा/करवाएगा, उसे रुपये 20 हजार रुपये नगद इनाम प्रदान किया जाएगा।

कर्मों की छाप ही जीवन में सच्ची खुशी लाती है !!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, आज मैं आपसे खुश रहने का कोई आसान नुस्खा नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ देने वाली वह समझ साझा करना चाहता हूँ जिसने मेरे जीवन को एक नया अर्थ दिया। जिसने समय के साथ मेरा सामना इस सच्चाई से करवाया कि जीवन में खुशी परिस्थितियों से नहीं बल्कि, दृष्टि और दिशा से आती है। दोस्तों, अगर आप सच में खुश रहना चाहते हैं, तो ऐसा लक्ष्य चुनिए जो आपके विचारों को भटकने से रोके, आपकी ऊर्जा को व्यर्थ होने से बचाए और आपकी आशाओं को रोज़ नया अर्थ दे। जिसके पास स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता, वह हर बदलाव से हिल जाता है और जिसके पास उद्देश्य होता है, वह कठिन समय में भी स्थिर रहता है।

लक्ष्य चुनते वक्त एक बात और याद रखियेगा, आपके तमाम लक्ष्यों में एक लक्ष्य देने के भाव वाला भी होना चाहिए क्योंकि जीवन में सबसे गहरी बातें अक्सर शब्दों से नहीं कही जातीं। हृदय से जितना दिया जा सकता है, उतना हाथ से नहीं दिया जा सकता और मौन से जो समझाया जा सकता है, वह हजार शब्दों से भी नहीं समझाया जा सकता। कभी आपने महसूस किया है, किसी का चुपचाप साथ बैठ जाना, बिना कुछ कहे आपके दुख को समझ लेना, आपके कंधे पर हाथ रख देना, कितना सुकून दे जाता है? यही सच्ची संवेदना है। लेकिन दोस्तों, जीवन का एक कड़वा सच यह भी है, कई बार समय के बदलने से उतना कष्ट नहीं होता, जितना कष्ट अपनों के बदल जाने से होता है। वे लोग, जिनके लिए हम खड़े रहे, जिन्हें हमने प्राथमिकता दी, जब वही बदल जाते हैं, तब भीतर कुछ टूटता है। पर यहीं जीवन हमें परिपक्व बनाता है। यहीं हम सीखते हैं कि हर साथ स्थायी नहीं होता, और हर दूरी हमारी गलती नहीं होती। इसी सच्चाई को अपने जीवन में पूरी करुणा और कर्म से जिया मदर टेरेसा ने। उन्होंने कभी यह नहीं देखा कि लोग कैसे बदलते हैं, उन्होंने यह देखा कि ज़रूरतमंद को आज क्या चाहिए?, लोगों ने उन्हें आलोचना दी, सवाल उठाए, पर उन्होंने उत्तर शब्दों से नहीं, सेवा से दिया। उन्होंने कहा था, हम बड़े काम नहीं कर सकते, पर छोटे काम बड़े प्रेम से कर सकते हैं। यही कर्म की सच्ची भाषा है। दोस्तों, एक बेहतरीन इंसान अपनी बातों से नहीं, अपनी जुबान और कर्मों से पहचाना जाता है। आप क्या कहते हैं, यह उतना मायने नहीं रखता, जितना यह कि आप क्या करते हैं। जो व्यक्ति अपने कर्म को समझ लेता है, उसे धर्म को समझने के लिए किसी व्याख्यान की ज़रूरत नहीं पड़ती क्योंकि धर्म कोई किताब नहीं, धर्म सही कर्म की निरंतरता है। आज की दुनिया में जहाँ दिखावा तेज़ है और संवेदना धीमी, वहाँ असली पहचान शांत कर्मों से बनती है। आपका व्यवहार, आपकी प्रतिक्रिया, आपकी ईमानदारी; यही आपकी पहचान है।

तो दोस्तों, आज अगर खुश रहना है तो तीन बातों को जीवन में उतारिए—

ऐसा लक्ष्य चुनिए जो आपको रोज़ दिशा दे।

शब्दों से ज़्यादा हृदय और मौन से जुड़िए।

बदलते लोगों से कटु न बनिए, बल्कि अपने कर्मों में स्थिर रहिए।

क्योंकि अंत में लोग आपकी बातें भूल सकते हैं, पर आपके कर्मों की छाप कभी नहीं भूलते और यही छाप आपकी असली खुशी बन जाती है।

लाड़ली बहना योजना रजिस्ट्रेशन को लेकर हाइकोर्ट याचिका खारिज

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने लाड़ली बहना योजना के रजिस्ट्रेशन दोबारा शुरू करने की मांग की जनहित याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में कहा था कि योजना का रजिस्ट्रेशन बंद होने से पात्र महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। योजना के तहत 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की महिलाएं पात्र हैं, लेकिन 20 अगस्त 2023 से रजिस्ट्रेशन बंद कर दिए गए थे, जिसके कारण नई पात्र महिलाएं योजना से वंचित हो रही हैं। याचिकाकर्ता ने इस योजना के लिए पात्रता की न्यूनतम आयु को 21 से घटाकर 18 करने की भी मांग की थी। सुनवाई में शासन की ओर से यह तर्क रखा कि रजिस्ट्रेशन बंद या शुरू करना शासन का निर्णय है और इस प्रकार के फैसले में कोर्ट का दखल नहीं हो सकता।

श्रीमती लक्ष्मी पुरी ने किया सांदीपनि अहिल्याश्रम विद्यालय का दौरा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पोलो ग्राउंड स्थित शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उ.मा. विद्यालय में भारतीय राजनयिक एवं संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव श्रीमती लक्ष्मी पुरी पहुँचीं। उन्होंने विद्यालय के विकास कार्यों में योगदान देने की मंशा व्यक्त की और परिसर का अवलोकन किया। साथ में स्कूल प्रिंसिपल ओर अन्य अधिकारी मौजूद रहे ।

इस अवसर पर श्रीमती पुरी ने भावुक होते हुए बताया कि उनकी माताजी मालती देसाई एवं मौसी कमलिनी देसाई ने इसी संस्थान से शिक्षा प्राप्त की थी। वे अक्सर यहां की शिक्षा, संस्कार और प्रेरणादायी वातावरण की चर्चा करती थीं। श्रीमती पुरी ने कहा कि इस संस्थान से मिली प्रेरणा उनके परिवार के लिए जीवनभर की पूंजी रही है। उन्होंने कहा कि वे सांदीपनि अहिल्याश्रम में अधोसंरचना एवं शैक्षणिक सुविधाओं के उन्नयन हेतु सहयोग देने आई हैं। उनका उद्देश्य है कि विद्यालय में आधुनिक संसाधनों का विस्तार हो, ताकि यह संस्थान एक मॉडल स्कूल के रूप में विकसित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन एवं समाज के सहयोग से विकास कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि इस ऐतिहासिक संस्थान की स्थापना 23 जून 1913 को तत्कालीन होलकर स्टेट के महाराजा तुकोजीराव होलकर (तृतीय) द्वारा चन्द्रावती महिला विद्यालय के रूप में की गई थी, जिसका नाम महारानी चन्द्रावती होलकर के नाम पर रखा गया। इसी वर्ष 16 जून 1913 को अहिल्या आश्रम की स्थापना भी की गई थी, जिसका उद्देश्य विधवा, परित्यक्ता, अनाथ एवं बेसहारा महिलाओं को आश्रय, शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता प्रदान करना था। दोनों संस्थाओं का संचालन होलकर राज्य की खासगी निधि से किया जाता था। स्वतंत्रता पश्चात 1948 में होलकर राज्य के भारत संघ में विलय के बाद दोनों संस्थाओं का एकीकरण कर शासकीय अहिल्याश्रम एवं चन्द्रावती महिला उ.मा. विद्यालय नाम दिया गया।

अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 23 को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। अग्निवीर महिला सेना भर्ती वर्ष 2025-26 की प्रक्रिया के अंतर्गत भर्ती रैली का आयोजन 23 फरवरी को पुलिस ग्राउंड, जिंझहारी, कटनी (मध्य प्रदेश) में किया जाएगा। इस भर्ती रैली में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य की वे महिला उम्मीदवार भाग ले सकेंगी, जिन्होंने अग्निवीर ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। पात्र अभ्यर्थियों को रैली प्रवेश पत्र उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पर प्रेषित कर दिए गए हैं।

मेट्रो प्रोजेक्ट के इंजीनियर ने पोकलेन चालक को रोका तो उसने पंजे से कुचलने की कोशिश की

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में अब मामूली विवाद में लोग एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। छोटा बांगड़दा क्षेत्र में एक तालाब खुदाई के दौरान एक पोकलेन चालक गलत तरीके से पंजा चला रहा था। मार्ग से गुजर रहे मेट्रो कंपनी के इंजीनियर आशुतोष ने यह देख पोकलेन के चालक को डांटा तो उसने गलती मानने के बजाय इंजीनियर से हुज्जत करना शुरू कर दी। यही नहीं, उसने पोकलेन के पंजे से इंजीनियर को कुचलने की कोशिश की। जैसे-तैसे इंजीनियर जान बचाकर भागे और पुलिस को सूचना दी।

घटना मंगलवार दोपहर की है। मेट्रो कंपनी के इंजीनियर सड़क से गुजर रहे थे। तभी एक स्कूली वैन से पोकलेन का पंजा टकराते-टकराते बचा। वे गाड़ी से उतरे और पोकलेन चला रहे युवक से कहा कि अभी बच्चों को पोकलेन के पंजे से चोट लग जाती, ठीक से काम करो। यह सुनकर चालक गुस्सा हो गया और कहा कि तुम अपने काम से काम रखो। इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया। पहले चालक ने धमकी दी कि यदि तुझे दबा दूंगा पोकलेन से, कोई बचाने नहीं आएगा। इसके बाद चालक ने पंजा इंजीनियर की तरफ घुमाया। उसकी टक्कर से इंजीनियर नीचे गिर पड़े। फिर चालक ने पंजे से उन्हें दबाने की कोशिश की, लेकिन वे फुर्ती से उठे और जान बचाकर भागे। इसके बाद उन्होंने पुलिस को फोन लगाकर अपने ऊपर हुए हमले की सूचना दी। आशुतोष ने बताया कि वे कुछ देर वहां खड़े रहे, लेकिन पुलिसकर्मी नहीं आए। इसके बाद वे लौट गए। उन्होंने कहा कि इस तरह के गुस्सैल चालकों के खिलाफ एक्शन लिया जाना चाहिए, ताकि वे दूसरों के लिए परेशानी की वजह न बनें।

भागीरथपुरा पेयजल कांड- अब तक 35 मौतें, 3 जांच कमेटियां, रिपोर्ट के पते नहीं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के भागीरथपुरा में डायरिया व हैजा फैले सवा माह बीत चुके हैं। दूषित पानी के कारण 35 मौतें हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक उनकी ठोस वजह पता नहीं चली है। इस मामले में तीन जांच कमेटियां बन चुकी हैं। कोर्ट के निर्देश पर भी एक कमेटी गठित हो चुकी है, लेकिन अभी तक एक भी जांच रिपोर्ट नहीं आ पाई है। इस मामले में लगी याचिका की सुनवाई के दौरान मृतकों की पोस्टमार्टम व विसरा रिपोर्ट को लेकर भी कोर्ट पूछ चुका है, लेकिन अफसर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण जब अलग-अलग अस्पतालों में मरीज आना शुरू हुए थे तो मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में अफसरों की बैठक ली थी। वे अस्पतालों में मरीजों से मिलने गए थे। तब उन्होंने मामले की जांच के निर्देश दिए थे। मामला जब गरमाने लगा तो सरकार ने निगमायुक्त दिलीप कुमार को हटा दिया। इसके बाद सरकार ने दो एसीएस को जांच के लिए इंदौर भेजा। बाद में सरकार ने एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी भी गठित की और इसकी जानकारी कोर्ट में भी प्रस्तुत की, लेकिन अभी तक एक भी कमेटी की जांच रिपोर्ट नहीं आई है। अब कोर्ट ने भी एक कमेटी जांच के लिए गठित की है।

अब तक क्या हुआ

- ■ भागीरथपुरा कांड का मामला देशभर में उछला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी बस्ती में पहुंचे और मृतकों के परिवार से मुलाकात की।
- ■ कोर्ट में इस मामले में याचिका लगी। अब तक 35 मौतें हो चुकी हैं, लेकिन कोर्ट ने डायरिया से 16 मौतों को ही माना।
- ■ बस्ती के 30 प्रतिशत हिस्से में नई नर्मदा लाइन से सप्लाई हो रही है। बचे हिस्सों में लाइन बिछाने का काम जारी है।
- ■ बस्ती के छह सौ से ज्यादा लोगों का इलाज अस्पतालों में हुआ है, जबकि डेढ़ हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।
- ■ बीते पंद्रह दिन से जो मौतें हो रही हैं, उनकी वजह स्वास्थ्य विभाग अब डायरिया नहीं मान रहा है।
- ■ इस मामले में पांच अफसरों को निलंबित किया गया है, लेकिन अभी तक किसी पर आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है।

शासकीय महाविद्यालय राऊ के इको क्लब द्वारा वेस्ट टू आर्ट कार्यशाला का आयोजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शासकीय महाविद्यालय राऊ के इको क्लब द्वारा वेस्ट टू आर्ट विषय पर एक रचनात्मक एवं जागरूकता से भरपूर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अपशिष्ट सामग्री के रचनात्मक पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करना था।

कार्यशाला की विशेषज्ञ वक्ता श्रीमती एकता मेहता रहीं, जिन्होंने अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं कलात्मक सामग्री बनाने के विभिन्न तरीकों को विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार कचरे को कला में बदलकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम की संयोजक इको क्लब समन्वयक डॉ श्वेता हार्डिया रहीं। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ डी सी राठी, विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ एन पी राजपूत तथा नोडल अधिकारी डॉ के आर कानूडे की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल सिंह का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त इको क्लब के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय के विचार सशक्त राष्ट्र हित में रहे : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि एकात्म मानववाद के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक, संगठनकर्ता और भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक रहे। विश्व में साम्यवाद और समाजवाद की विचारधाराओं के वर्चस्व के बी च उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि प्रदान की। दीनदयाल जी का विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बने। उनके विचारों ने समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में उजास लाने का मार्ग प्रशस्त किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार भारतीय मानस को सशक्त राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

आर्बिट मॉल के बाहर बाउंसर की सरेआम हत्या, दोस्त की मदद करने गया था युवक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विजयनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। आर्बिट मॉल के पास स्थित पीयू-4 क्षेत्र में कुछ बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए युवक को तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है और पूछताछ की जा रही है।

मृतक की पहचान भूसामंडी निवासी गोलू चंद्रवंशी के रूप में हुई है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात गोलू के एक दोस्त ने उसे फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। बताया जा रहा है कि उस दोस्त का कुछ लोगों के साथ विवाद चल रहा था। जब गोलू अपने दोस्त की मदद करने और मामला शांत कराने के लिए मौके पर पहुंचा, तो वहां मौजूद दो युवकों ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और बदमाशों ने गोलू पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में दोस्त भी हुआ घायल

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर नशे की हालत में थे और उन्होंने बेहद आक्रामक तरीके से गोलू के पेट पर वार किए। इस खूनी संघर्ष में गोलू का एक अन्य दोस्त हरिओम भी घायल हुआ है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में गोलू को मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोलू पेशे से बाउंसर था और हाल ही में उसने पीयू-4 इलाके में एक कैफे का संचालन भी शुरू किया था।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और विजयनगर थाने का बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि हमलावरों की पहचान की जा रही है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। गोलू के परिवार में माता-पिता और एक भाई है, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है ताकि हत्या की असली वजह स्पष्ट हो सके।

बार-बार बदला छोटा उदयपुर- धार रेल परियोजना का अलाइनमेंट, 60 किलोमीटर का काम शेष

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

धार और झाबुआ जिले व गुजरात दाहोद के आदिवासी इलाकों के लिए महत्वपूर्ण छोटा उदयपुर रेलवे परियोजना का अलाइनमेंट बार-बार बदला जा चुका है। इस कारण अभी तक इस परियोजना का फायदा आदिवासी अंचल को नहीं मिल पाया है, जबकि तिरला से टांडा व अलीराजपुर में 60 किलोमीटर से भी कम लंबाई का काम शेष है। वन विभाग की जमीन भी अभी तक रेलवे को नहीं मिल पाई है। यदि सिंहस्थ से पहले यह परियोजना पूरी होती है तो गुजरात व महाराष्ट्र के यात्रियों को इसका फायदा मिल सकता है।

धार के समीप तिरला में इंदौर-दाहोद और धार-छोटा उदयपुर रेल परियोजना आकर मिलेगी। भविष्य में तिरला रेलवे के नक्शे पर बड़ा जंक्शन बनेगा। शिलान्यास के समय छोटा उदयपुर-धार रेल लाइन प्रोजेक्ट की लंबाई 157 किलोमीटर थी, जो नए अलाइनमेंट के बाद 145 किमी रह गई है। यह प्रोजेक्ट इंदौर के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह लाइन इंदौर को धार, छोटा उदयपुर होते हुए वडोदरा तक शॉर्ट कट कनेक्टिविटी देगी। अभी इंदौर से वडोदरा जाने के लिए उज्जैन-रतलाम-दाहोद-गोधरा होकर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। छोटा उदयपुर के जरिए मुंबई-गुजरात से सीधे इंदौर का जुड़ाव होगा। वडोदरा की दूरी अभी इंदौर से 430 किमी है, लेकिन धार और छोटा उदयपुर के नए मार्ग से यह सिर्फ 310 किमी रह जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह रूट तैयार होने पर वडोदरा-इंदौर जैसे महत्वपूर्ण कॉरिडोर में यात्रा समय कम होगा और माल परिवहन भी तेज होगा। रेलवे मामलों के जानकार नागेश नामजोशी ने कहा कि छोटा उदयपुर रेल परियोजना कई आदिवासी व ग्रामीण इलाकों को भारतीय रेल के मुख्य नेटवर्क से जोड़ने वाली है। नई रेल लाइन गुजरने से छोटा उदयपुर, अलीराजपुर और धार जिलों को सीधा रेल कनेक्शन मिलेगा, जिससे इन क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इसका अलाइनमेंट बार-बार बदले जाने से काम में देरी हुई है। इस परियोजना को पूरा करने पर रेल विभाग को प्राथमिकता देनी चाहिए।

डीएवीवी में हैप्पीनेस सेंटर बना सिर्फ कागजों की कहानी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में छात्रों की मानसिक सेहत सुधारने के उद्देश्य से प्रस्तावित हैप्पीनेस सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। करीब सवा साल पहले इस सेंटर को खोलने का निर्णय लिया गया था, लेकिन आज तक न तो सेंटर की शुरूआत हुई और न ही किसी काउंसलर की नियुक्ति हो पाई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि प्रस्ताव पास हो चुका है और प्रक्रियाएं जारी हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नजर नहीं आ रही है।

बीते कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच मानसिक तनाव बढ़ने और आत्महत्या जैसी घटनाओं के सामने आने के बाद हैप्पीनेस सेंटर खोलने का निर्णय लिया गया था। इसका उद्देश्य छात्रों को तनाव, अवसाद, परीक्षा दबाव और निजी समस्याओं से उबरने में मदद करना था। इस योजना को तत्काल जरूरत मानते हुए कार्यपरिषद में प्रस्तुत किया गया था, जिसे कुलगुरु के साथ पहली या दूसरी बैठक में स्वीकृति भी मिल गई थी। योजना के तहत हैप्पीनेस सेंटर में प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक और काउंसलर नियुक्त किए जाने थे, ताकि छात्र खुलकर अपनी समस्याएं साझा कर सकें। प्रोफेसरों का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में देरी गंभीर परिणाम दे सकती है। इसके बावजूद अब तक किसी भी काउंसलर की नियुक्ति या जॉइनिंग नहीं हो पाई है और न ही सेंटर के लिए अलग से स्टाफ तय किया गया है।

सरकारी प्रक्रिया बनी बड़ी बाधा

हैप्पीनेस सेंटर जैसी संवेदनशील योजना भी सरकारी प्रक्रियाओं और लालफीताशाही में उलझ गई है। फाइलें अलग-अलग स्तरों पर घूम रही हैं, लेकिन ठोस नतीजा सामने नहीं आ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत लागू किया जाना चाहिए था, क्योंकि यह सीधे छात्रों की जान और भविष्य से जुड़ा विषय है। यह प्रस्ताव अक्टूबर 2024 के आसपास पारित किया गया था। उस समय उम्मीद जताई गई थी कि सेंटर जल्द शुरू हो जाएगा, लेकिन आज तक यह तय नहीं हो पाया है कि हैप्पीनेस सेंटर कहां संचालित होगा। इसके साथ ही कितने काउंसलर या मनोवैज्ञानिक नियुक्त किए जाएंगे, इस पर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। बजट, पद स्वीकृति और प्रशासनिक मंजूरी जैसे मुद्दों पर फाइलें अब भी अटकी हुई हैं। यह सेंटर केवल छात्रों के लिए ही नहीं, बल्कि फैकल्टी के लिए भी उपयोगी माना गया था।

कृषि भुमि पर कूटरचित दस्तावेजों की सहायता से अवैध लाभ अर्जित करने वाले दो और फरार गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा इंदौर कमिश्नरेट में लोगो से छल कपट कर आर्थिक ठगी में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों को शिकायतो पर त्वरित कार्यवाही हेतु लगाया गया है।

इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच, इंदौर की ईओडब्ल्यू टीम द्वारा ऑनलाइन ठगी एवं आर्थिक अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक ऐसे शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा है, जिन्होंने आवेदकों से फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कृषि भूमि अवैधानिक रूप से अपने पक्षों से करोड़ो रुपये की ठगी की थी।

आरोपीयों के नाम - 1. चंदन पिता स्व. प्रभुलाल, 2. मेहरबान सिंह पिता प्रभुलाल, 3. सीमाबाई पति दशरथ, 4. कृष्णाबाई पति मोहनलाल 5. प्रवीण पूनमचंद 6. प्रवीण सिसोदिया।

घटना का विवरण: क्राईम ब्रॉंच इंदोर को आवेदक विशाल सिंह द्वारा एक शिकायत आवेदन पत्र दिया गया जिसमें आवेदक ने आरोपियो के द्वारा फर्जी अनुबंध-फर्जी मानचित्र बनाकर करोंड़ों रुपए किमती जमीन की धोखाधड़ी कूटरचना और कब्जा करने की शिकायत की थी। जिसके बाद कार्यवाही करते जाँच में पाया कि अनावेदकगण द्वारा संगमत होकर उक्त वाद भूमि के संबंध में भूमि स्वामित्व को लेकर सिविल वाद के निराकरण के पूर्व ही समस्त तथ्य छुपाकर कुटरचित अनुबंध पत्रों एवं कुटरचित अवैध फर्जी कॉलोनी मय नक्शा तैयार किया गया एवं अंततः अन्य तीसरे पक्ष को तीसरा विक्रय कर उक्त वाद भूमि की रजिस्ट्री कर पुनः कुल राशि 3,62,00,000/- रु का सदोष लाभ प्राप्त कर अनावेदकगणों द्वारा संगमत होकर आपराधिक षडयंत्र कारित कूटरचित दस्तावेजों निर्माण कर धोखाधड़ी की गई।

नई चमक के साथ लौट रहा लालबाग का दरबार हॉल, अगले हफ्ते से खुलेंगे दरवाजे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस का दरबार हॉल नए रूप में पर्यटकों के सामने आने के लिए तैयार है। करीब दो महीने तक चले संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्य के बाद अगले हफ्ते से इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। फिलहाल काम के चलते दरबार हॉल को पर्यटकों के लिए बंद रखा गया था।

आईजीएनसीए ने संभाली संरक्षण की जिम्मेदारी

लालबाग पैलेस के भीतर संरक्षण और फिनिशिंग का कार्य दिल्ली की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के विशेषज्ञों द्वारा किया गया। पुराने एंटीक्स के संरक्षण के साथ दरबार हॉल के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए सुधार कार्य किए गए। नवंबर में फिनिशिंग और मरम्मत कार्य के चलते इसे बंद किया गया था।

पुराने वैभव के साथ लौट रही शाही चमक

आईजीएनसीए की टीम ने दरबार हॉल को उसके मूल स्वरूप में ही नई चमक दी है। यहां किए गए स्टुको वर्क को पॉलिश और सफाई के साथ रीस्टोर किया गया। इसके लिए बड्स, रूई और छोटे ब्रशों की मदद से बेहद बारीकी से काम किया गया। छत पर लगे पानी के दाग भी साफ किए गए हैं और फॉल सीलिंग के कुछ हिस्सों में सुधार किया गया है। लालबाग के निर्माण के समय जिन रंगों का उपयोग किया गया था, उन्हीं रंगों को विशेषज्ञों की मौजूदगी में दोबारा लगाया गया है। इसका उद्देश्य लालबाग के ऐतिहासिक और शाही वैभव को यथावत बनाए रखना है, ताकि पर्यटक उसी पुराने दौर की भव्यता का अनुभव कर सकें।

सेंट्रल म्यूजियम का भी हो रहा विकास

लालबाग परिसर स्थित सेंट्रल म्यूजियम में भी विकास कार्य जारी हैं। सिंहस्थ से पहले यहां कई सुविधाओं का विस्तार किया जाना है। बाउंड्रीवाल का करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य स्टोन लगने और पॉलिशिंग के बाद पूरा किया जाएगा। आज कुछ हिस्सों से प्राचीन मूर्तियों को शिफ्ट किया जाएगा, जिसके बाद कैफेटेरिया, नए टिकट काउंटर और क्लॉक रूम का निर्माण कार्य शुरू होगा।

आउटर गार्डन और कन्वेंशन सेंटर पर काम जारी

लालबाग के बाहरी हिस्से और कन्वेंशन सेंटर का कार्य बीते वर्ष जून से मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जा रहा है। यह कार्य सिंहस्थ से पहले पूरा किया जाना है। यहां आउटर गार्डन, फव्वारे, देवी अहिल्याबाई सेंटर फॉर सेल्फ डिफेंस, साइकिलिंग और वॉकिंग ट्रैक विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही पर्यटकों की रुचि बढ़ाने के लिए ओपन थिएटर का प्रस्ताव भी है।

दरबार हॉल की ऐतिहासिक विशेषताएं

लालबाग पैलेस का दरबार हॉल, जिसे दीवान-ए-आम भी कहा जाता है, इंदौर की शाही विरासत का प्रतीक है। इसका इंटीरियर रोकोको शैली से प्रेरित है और इसमें इटली से आयातित सफेद व रंगीन संगमरमर का उपयोग किया गया है। हॉल को इस तरह डिजाइन किया गया है कि दिन के समय बिना बिजली के भी पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी मिलती है। इसकी छतों पर ग्रीक पौराणिक कथाओं के दृश्य चित्रित हैं। प्लास्टर ऑफ पेरिस पर की गई सुनहरी पॉलिश इसे शाही रूप देती है। यूरोप से मंगवाए गए भव्य क्रिस्टल झूमर, बेल्जियम के रंगीन कांच से बनी खिड़कियां और दरवाजे, तथा जॉर्जियन और रीजेंसी शैली का फर्नीचर इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं। दीवारों और कांच के पैनल्स पर होलकर राज्य का आदर्श वाक्य जो प्रयास करता है, वही सफल होता है भी अंकित है।

सुबह 5 बजे रिटायर्ड फौजी ने खटखटाया कारोबारी का दरवाजा, खुलते ही दागी गोली

मुरैना ■

मध्यप्रदेश के मुरैना शहर के रामनगर स्थित शिक्षक कॉलोनी में बुधवार की सुबह 5 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक कारोबारी को उसके ही घर के दरवाजे पर गोली मार दी गई। गोली कारोबारी की पसलियों में लगी और परिजन तुरंत उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से कारोबारी को पहले ग्वालियर और फिर दिल्ली रैफर कर दिया गया है। कारोबारी को गोली रिटायर्ड फौजी ने मारी थी जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि वारदात की वजह जमीन का पुराना विवाद है।

कृष्णकांत शुक्ला
घायल कारोबारी

रामनगर स्थित शिक्षक कॉलोनी में रहने वाले कृष्णकांत (38) पुत्र मुन्नालाल शुक्ला सीमेंट का कारोबार करते हैं। कृष्णकांत व उनके परिवार का सिरमिती गांव के रिटायर्ड फौजी हरेंद्र शुक्ला से जमीनी विवाद चल रहा है। बुधवार की सुबह 5 बजे आरोपी रिटायर्ड फौजी कारोबारी कृष्णकांत के घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाया। जैसे ही कृष्णकांत ने दरवाजा खोला, तभी आरोपी ने उसे गोली मार दी। गोली उनकी पसलियों में लगी। गोली चलते ही घर में हड़कंप मच गया और आरोपी गोली मारकर मौके से फरार हो गया। घायल हालत में परिजन कृष्णकांत को अस्पताल लेकर पहुंचे।

जमीन को लेकर चल रहा है विवाद

कृष्णकांत शुक्ला के छोटे भाई दीपू शुक्ला व उनकी पत्नी रजनी शुक्ला ने बताया कि आरोपी हरेन्द्र शुक्ला से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। बताया गया है कि रिटायर्ड फौजी के पिता से कृष्णकांत शुक्ला ने जमीन खरीदी थी, अब उस जमीन को आरोपी वापस करने का दबाव बना रहा है। जब जमीन वापस नहीं की तो गोली मार दी। गोली लगने से घायल सीमेंट कारोबारी कृष्णकांत शुक्ला को परिजन पहले जिला अस्पताल ले गए, जहां से उसे गंभीर हालत में ग्वालियर रैफर किया गया है। घायल के परिजन का कहना है कि हालत गंभीर होने की वजह से हम उन्हें दिल्ली लेकर जा रहे हैं। इधर घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी हरेन्द्र शुक्ला को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर भाजपा नगर मंडल सेंधवा ने मनाया समर्पण दिवस

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष, अजातशत्रु पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल सेंधवा द्वारा समर्पण दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एस. वीरा स्वामी ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता एवं अंत्योदय के सिद्धांतों को समर्पित था। उन्होंने एकात्म मानववाद के माध्यम से भारत की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ वैचारिक आधार प्रदान किया, जो आज भी भारतीय जनता पार्टी की नीतियों का मूल स्तंभ है। भारतीय जनता पार्टी

उपाध्याय की पुण्य तिथि पर समर्पण दिवस के रूप में मनाती है जहां पार्टी के कार्यकर्ता संगठन को अपना समर्पण देकर श्रद्धांजलि अर्पित करते है। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सादगी, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा के साथ राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके विचार वर्तमान समय में भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय (25 सितंबर 1916 - 11 फरवरी 1968) एक भारतीय राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री और भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेता थे। बद्रीप्रसाद शर्मा ने कहा कि उपाध्याय जी ने 'एकात्म मानववाद' का दर्शन दिया, जो व्यक्ति के समग्र विकास और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान अंत्योदय पर जोर देता है। वे एक महान चिंतक और रा.स्व. संघ के प्रचारक थे। नपा उपाध्यक्ष मोहन जोशी व गोविंद मामा ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा की रणनीति व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जितनी भी योजनाएं चलाई जा रही है वे सभी पंडित दीनदयाल उपाध्याय बताए गए मार्ग को स्मरण करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं को किरवान्वित हो रही है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल के अध्यक्ष राहुल पवार, छोटू चौधरी, सुरेश गर्ग, गणेश राठौड़, सुनील शर्मा, रामेश्वर पालीवाल, कालू सावले, श्याम पाटिल, सुनील भिंडा, विवेक तिवारी, नंदा गुर्जर, प्रकाश ठक्कर, मनोज कानूनगो, शैलेंद्र शर्मा व पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यकताओं ने समर्पण राशि भी अर्पित की।

आ गया नोटिस, टूटेंगे कई मकान-दुकानें, भोपाल में बन रहा 10 लेन का बायपास

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है। यहां रोड चौड़ीकरण में कई दुकानें, मकान और धार्मिक स्थल व सरकारी भवन बाधा बन रहे हैं जिन्हें हटाने की तैयारी प्रशासन ने शुरू कर दी है। प्रशासन ने बायपास चौड़ीकरण में बाधा बन रही केसर बस्ती की करीब 90 झुग्गियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इन झुग्गियों में रहने वाले परिवारों को नोटिस जारी कर दिए हैं।

16 किमी. लंबी 10-लेन रोड

नेशनल हाईवे-146 पर 836.91 करोड़ रुपये की लागत से आशाराम तिराहा से रत्नागिरी तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबी 10 लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। रोड चौड़ीकरण का काम काफी तेजी से चल रहा है और बाधा बन रही 146 दुकानों को प्रशासन हटा चुका है। इसके साथ ही रोड चौड़ीकरण की जद में आ रहे तीन धार्मिक स्थलों, एक पुलिस चौकी और एक वार्ड कार्यालय को हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट करने का काम भी किया जा रहा है। बायपास चौड़ीकरण के साथ ही आनंद नगर में एक फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। केसर बस्ती की 90 झुग्गियों को हटाने का नोटिस मिलने के बाद कांग्रेस नेता बस्ती में पहुंचे और उन लोगों से बातचीत की जिन्हें नोटिस मिले हैं।

कैंसर मरीजों के लिए संजीवनी बनेगी एम्स की खास बुकलेट, इलाज की उलझनों के बीच मिलेगी सही राह

भोपाल ■

कैंसर का नाम सुनते ही मरीज और परिवार घबराहट, डर और असमंजस में घिर जाते हैं। इलाज की जटिल प्रक्रिया, भारी-भरकम मेडिकल शब्दावली और अधूरी जानकारी के कारण कई बार मरीज मानसिक रूप से टूटने लगते हैं। इन्हीं परेशानियों को देखते हुए एम्स अब कैंसर मरीजों के लिए एक विशेष मार्गदर्शिका बुकलेट तैयार कर रहा है, जो इलाज के दौरान उनकी सच्ची साथी बनेगी। एम्स के डायरेक्टर डॉ. माधवानंद कर के अनुसार यह बुकलेट सरल हिंदी और अन्य भाषाओं में तैयार की जाएगी, ताकि मरीज और उनके परिजन बिना किसी भ्रम के बीमारी और उपचार को समझ सकें। अक्सर देखा गया है कि कीमोथेरेपी, रेडियोथैरेपी या सर्जरी जैसे शब्द ही मरीजों में डर पैदा कर

देते हैं। ऐसे में यह गाइड उन्हें बताएगी कि कौन-सा इलाज क्यों दिया जाता है, उसके दुष्प्रभाव क्या हो सकते हैं और उनसे कैसे निपटना है।

इलाज ही नहीं, हौसले की भी किताब

यह बुकलेट सिर्फ दवाओं और प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें इलाज के दौरान खान-पान, जरूरी सावधानियां, क्या करें और क्या न करें जैसी व्यावहारिक जानकारी भी दी जाएगी। कई मरीज गलत सलाह या अधूरी जानकारी के कारण अपनी सेहत को और नुकसान पहुंचा बैठते हैं। इस पहल का मकसद ऐसी गलतफहमियों को दूर करना है। सबसे अहम पहलू होगा मानसिक स्वास्थ्य। कैंसर से जूझ रहे मरीजों में अवसाद, डर और निराशा आम बात है। बुकलेट में सकारात्मक संदेश, प्रेरक मार्गदर्शन और मानसिक मजबूती बनाए रखने के तरीके शामिल किए जाएंगे, ताकि मरीज सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि हिम्मत के साथ जिंदगी की लड़ाई लड़ सकें।

मरीजों को मिलेगा भरोसा और स्पष्टता

डायरेक्टर का कहना है कि एम्स की यह पहल मरीजों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। सही जानकारी मिलने से मरीजों की घबराहट कम होगी, इलाज के प्रति विश्वास बढ़ेगा और डॉक्टरों के साथ संवाद भी बेहतर होगा। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में जहां हर दिन चुनौतीपूर्ण होता है, वहां यह बुकलेट मरीजों के लिए मार्गदर्शक दीपक साबित हो सकती है,जो डर नहीं, बल्कि जागरूकता और हौसले की रोशनी फैलाएगी।

कचरा फेंकने के विवाद में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, परिजनों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

सागर ■

सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र के धर्माश्री इलाके में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। कचरा फेंकने और नाली की सफाई को लेकर दो पड़ोसियों के बीच हुई मारपीट में 60 वर्षीय बुजुर्ग की जान चली गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने बुधवार को सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया, जिससे घंटों आवागमन बाधित रहा।

धर्माश्री रोड निवासी पुरुषोत्तम यादव (60) का मंगलवार रात अपने पड़ोसी नरेंद्र और सुरेंद्र यादव के परिवार से विवाद हुआ था। विवाद की जड़ घर के सामने कचरा फेंकना और नाली का पानी था। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ी कि आरोपियों ने लाठी-डंडों से पुरुषोत्तम पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में उन्हें

अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव परिजनों को सौंपा गया, गुस्साए लोग धर्माश्री तिराहे पर एकत्र हो गए। परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

एक झटके में किलोभर सोना-ढाई किलो चांदी, 20 लाख चोरी

शिवपुरी ■

शिवपुरी जिले के इंदार गांव में दो घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। यहां पर चोरों ने दो घरों में सेंधमारी करते हुए घर में रखा हुआ एक किलो सोना, ढाई किलो चांदी और करीब 20 लाख रुपए नकद चुरा लिए हैं। इस चोरी की वारदात में चोर करीब डेढ़ करोड़ रुपए का माल समेट ले गए हैं। चोरी की इस वारदात के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वारदात की सूचना मिलते ही इंदार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

छत के रास्ते घर में घुसे

पुलिस के अनुसार, सबसे बड़ी चोरी चंद्रप्रकाश रघुवंशी के घर हुई। पुलिस को परिजन आशीष रघुवंशी ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य रात करीब 12 बजे सो गए थे। इसी दौरान चोर छत के रास्ते घर में घुसे और एक कमरे का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने कमरे में रखे तीन बक्सों के ताले तोड़ दिए। इनमें रखी सोने की 17 अंगूठियां, सोने के तीन हार, सोने की चार चेन, पुरानी सोने की मोहरें और करीब दो किलो चांदी के जेवरात ले गए।

सोना, चांदी व नकदी समेट ले गए चोर

पुलिस को आशीष रघुवंशी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मक्का बेचकर 15 लाख रुपए घर में रखे थे। इसके अलावा करीब 5 लाख रुपए पहले से घर में मौजूद थे। इस तरह चोर कुल 20 लाख रुपए नकद भी अपने साथ ले गए। चंद्रप्रकाश रघुवंशी के तीन बेटे हैं- देवेंद्र, महेंद्र और विशाल। तीनों ही विवाहित हैं और उनके बच्चे हैं। देवेंद्र गुना में पटवारी हैं। इसी कारण तीनों भाइयों की पत्नियां और बच्चे पढ़ाई के लिए गुना में रहते हैं। वहीं महेंद्र और विशाल गांव में अपने पिता चंद्रप्रकाश रघुवंशी, माता तथा दादा-दादी के साथ रहते हैं। परिवार के पास कुल 130 बीघा उपजाऊ कृषि भूमि है। इसी रात चोरों ने गांव के ही रामवीर सिंह रघुवंशी के घर को भी निशाना बनाया।

देवास में बीजेपी नेता ने जिला न्यायाधीश को दी गालियां

देवास। मध्यप्रदेश के देवास में तीन युवकों ने जिला न्यायाधीश के साथ अभद्रता की। उन्हें सरेआम गालियां भी दीं। जिला न्यायाधीश के साथ हुई इस घटना पर पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। उनके साथ अभद्रता करनेवाले एक आरोपी बीजेपी नेता को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि दो अन्य फरार हो गए हैं। इधर एक आरोपी के अवैध निमार्णों को भी ढहा दिया गया है। देवास में न्यायाधीश प्रसन्न सिंह बहरावत के साथ अभद्रता की गई। वे जिला कोर्ट में चतुर्थ अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में पदस्थ हैं। न्यायाधीश प्रसन्न सिंह बहरावत को 3 युवकों ने गालियां बकीं और अभद्रता की। देवास पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रायसेन में बड़ा हादसा टला, तेज रफ्तार बस का टायर फटा; चालक की सूझबूझ से 60 यात्रियों की जान बची

रायसेन ■

रायसेन जिले में बुधवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया, जब सागर से भोपाल जा रही एक बस का अगला टायर अचानक फट गया। घटना सागर रोड स्थित विद्युत ग्रामीण कार्यालय के सामने हुई। बस में उस समय करीब 50 से 60 यात्री सवार थे। तेज धमाके के साथ टायर फटते ही बस कुछ क्षणों के लिए अनियंत्रित हो गई, जिससे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हालांकि चालक की सूझबूझ और सतर्कता के चलते बस को सड़क किनारे सुरक्षित रोक लिया गया और सभी यात्रियों की जान बच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस करीब 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी।

अचानक तेज आवाज सुनकर यात्री घबरा गए और कुछ देर के लिए बस में चीख-पुकार मच गई। गैरतगंज से भोपाल जा रहे यात्री तीरथ सिंह और सौरभ जैन ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि शुरूआत में सभी को लगा कोई बड़ा हादसा हो गया है। बस रुकने के बाद जब लोग नीचे उतरे, तब पता चला कि अगला टायर फट गया है। घटना के बाद चालक और स्टाफ ने स्थिति संभाली और यात्रियों को सुरक्षित उतारा। टायर बदलने में काफी समय लगने के कारण यात्रियों को सड़क किनारे इंतजार करना पड़ा, जिससे उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों ने परिवहन व्यवस्था और बसों की फिटनेस को लेकर चिंता भी जताई।

पहले भी हुए हादसे

इससे पहले 13 और 14 जनवरी की दरमियानी रात इंदौर-रीवा रूट की एक बस में अचानक आग लगने की घटना हुई थी। उस समय भी करीब 50 यात्री बस में मौजूद थे, जिन्हें एक ट्रक चालक की सतर्कता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था, हालांकि बस पूरी तरह जल गई थी। वहीं मंगलवार शाम एक नाबालिग द्वारा चलाए जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने का मामला भी सामने आया था। लोगों का आरोप है कि वाहनों की नियमित फिटनेस जांच और नियमों का पालन सुनिश्चित करने में लापरवाही बरती जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर सख्ती से जांच हो और ओवरस्पीडिंग व तकनीकी खामियों वाले वाहनों पर कार्रवाई की जाए, तो ऐसे हादसों की आशंका कम हो सकती है।

एमपी में कर्मचारियों, अधिकारियों के भत्तों पर बड़ा फैसला, नई दरें लागू

भोपाल। मध्यप्रदेश में कर्मचारियों, अधिकारियों के भत्तों पर बड़ा फैसला सामने आया है। मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम एमपीएलयूएन ने यात्रा भत्ता की नई दरें लागू करने का निर्णय लिया है। निगम की संचालक मंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। लघु उद्योग निगम अपने संचित लाभ में से लाभांश सीएम मोहन यादव को भेंट करेगा। एमएसएमई मंत्री एवं निगम के अध्यक्ष चेतन्य कुमार काश्यप मुख्यमंत्री को यह राशि सौंपेंगे। बैठक में निगम की आय बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा हुई। इसके लिए आगामी वित्त वर्ष में बड़ी मात्रा में कार्य आदेश जारी करने का निर्णय लिया गया है। मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम एमपीएलयूएन के संचालक मंडल की बैठक राज्य के एमएसएमई मंत्री व निगम के अध्यक्ष चेतन्य कुमार काश्यप की अध्यक्षता में हुई। मंगलवार को निगम के मुख्यालय पंचानन भवन में हुई इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

मार्क्स, मशीनरी और मोदी मॉडल: अफसरशाही का नया चेहरा

प्रो. आरके जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

भारत की सर्वोच्च प्रशासनिक व्यवस्था, जिसे अब तक रहस्यमय फाइलों, लंबी बैठकों और धीमी प्रक्रियाओं का पर्याय माना जाता था, आज एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। कैबिनेट सेक्रेटेरिएट द्वारा यूनियन सेक्रेटरियों के लिए शुरू किया गया ह्यमार्क्स-बेस्ड परफॉर्मेंस रिव्यूह्ल न केवल एक प्रशासनिक प्रयोग है, बल्कि यह पूरी ब्यूरोक्रेसी की सोच और कार्यशैली को बदलने वाला कदम भी है। जिस तरह स्कूलों में छात्रों की योग्यता रिपोर्ट कार्ड से आंकी जाती है, उसी तरह अब देश के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों का मूल्यांकन अंकों के आधार पर किया जा रहा है। यह व्यवस्था दक्षता बढ़ाने की कोशिश है या नियंत्रण का नया हथियार, यह सवाल आज हर प्रशासनिक गलियारे में गूंज रहा है।

इस नई प्रणाली की बुनियाद तथ्यों, आंकड़ों और मापदंडों पर रखी गई है। कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा भेजे गए प्रशासनिक स्कोरकार्ड कुल सौ अंकों पर आधारित हैं, जिनमें एक दर्जन से अधिक पैरामीटर्स शामिल किए गए हैं। फाइल डिस्पोजल को सर्वाधिक महत्व दिया गया है (अधिकतम 20 अंक), जो प्रशासनिक गति का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद आउटपुट/गतिविधियां (15 अंक), योजनाओं पर खर्च (15 अंक), पूंजीगत व्यय (15 अंक), जनशिकायत निवारण, कैबिनेट नोट्स, प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा मॉनिटर की जाने वाली परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्ति, तथा पे एंड अकाउंट्स ऑफिस (पीएओ) और चीफ कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स (सीसीए) द्वारा बिलों का समयबद्ध निपटारा जैसे तत्व जोड़े गए हैं। इसका स्पष्ट उद्देश्य यह है कि अब केवल प्रक्रियाओं पर नहीं, बल्कि परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इस व्यवस्था का सबसे दिलचस्प पहलू नेगेटिव और डिस्क्रेशनरी मार्क्स का प्रावधान है। यदि कोई विभाग विदेशी यात्राओं या इवेंट्स पर अत्यधिक खर्च करता है, सेक्रेटरी स्तर या ऊपर की फाइलों में असामान्य लंबित रखता है या एमएसएमई को भुगतान में देरी करता है, तो उसके कुल 12 अंक काटे जा सकते हैं। वहीं, असाधारण कार्य या योगदान के लिए कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा 5 अतिरिक्त अंक दिए जा सकते हैं। यह व्यवस्था प्रशासनिक अनुशासन को मजबूत करने के साथ-साथ व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी तय करती है। पहले जहां गलतियों पर अक्सर पर्दा डाल दिया जाता था, अब हर चूक अंकतालिका में दर्ज होगी। इस तरह यह प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही का नया ढांचा तैयार करती है। प्रशासनिक सुधार के दृष्टिकोण से यह कदम एक तरह की क्रांति कहा जा सकता है, जो 2024 में शुरू हुए मासिक डेमी-

ऑफिशियल लेटर्स में मंत्रालय-विशिष्ट मात्रात्मक इंडिकेटर्स जोड़कर विकसित हुआ है। पारंपरिक ब्यूरोक्रेसी में प्रदर्शन मूल्यांकन अक्सर वरिष्ठों की व्यक्तिगत राय या वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट तक सीमित रहता था। उसमें वस्तुनिष्ठता का अभाव रहता था। अब आंकड़ों के आधार पर मूल्यांकन होने से निर्णय अधिक वैज्ञानिक और निष्पक्ष होंगे। फाइलों के तेजी से निपटारे से योजनाओं का क्रियान्वयन तेज होगा और विकास परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी। यह प्रधानमंत्री की उस सोच के अनुरूप है, जिसमें देरी को विकास का सबसे बड़ा दुश्मन माना गया है। मोटिवेशन के नजरिए से देखें तो यह स्कोरकार्ड प्रणाली एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर, बेहतर अंक पाने की होड़ से अधिकारी अधिक सक्रिय, सतर्क और परिणामोन्मुख बनेंगे। उन्हें अपनी कमजोरियों को पहचानने और सुधारने का अवसर मिलेगा। दूसरी ओर, निरंतर मूल्यांकन का दबाव मानसिक थकान और तनाव भी बढ़ा सकता है। यदि कोई अधिकारी बार-बार कम अंक पाता है, तो उसका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है। स्कूल परीक्षाओं की तरह, यहां भी सफलता प्रेरणा बन सकती है और असफलता निराशा का कारण। संतुलन बनाए रखना इसलिए अत्यंत आवश्यक होगा। इस व्यवस्था का राजनीतिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। डिस्क्रेशनरी मार्क्स का अधिकार कैबिनेट सेक्रेटरी (वर्तमान में डॉ. टी वी सोमनाथन) के पास है, जो सीधे सरकार के अधीन होते हैं। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि कहीं यह प्रणाली राजनीतिक प्राथमिकताओं को थोपने का माध्यम न बन जाए। यदि किसी विभाग का प्रदर्शन सरकार के एजेंडे से मेल नहीं खाता, तो उसे कम अंक मिलने का खतरा हो सकता है। इससे अधिकारी जोखिम लेने और नए प्रयोग करने से बच सकते हैं। नवाचार के लिए स्वतंत्रता जरूरी होती है, और अत्यधिक नियंत्रण उस स्वतंत्रता को सीमित कर सकता है। इस प्रणाली के व्यापक प्रभाव धीरे-धीरे सामने आएंगे। यदि इसे संतुलित तरीके से लागू किया गया, तो सरकारी मशीनरी अधिक चुस्त, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बन सकती है। एमएसएमई भुगतान, जनशिकायत निवारण और परियोजना निगरानी जैसे क्षेत्रों में सुधार से आम नागरिक को सीधा लाभ मिलेगा। लेकिन यदि यह केवल अंक जुटाने की दौड़ बन गई, तो अधिकारी दीर्घकालिक सुधारों के बजाय तात्कालिक उपलब्धियों पर ध्यान देने लगेंगे। इससे नीति निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए इस व्यवस्था की निरंतर समीक्षा जरूरी होगी। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो पहले भी मंत्रालयों से मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट मांगी जाती थीं, लेकिन उनमें अंकों की सख्त व्यवस्था नहीं थी। नई प्रणाली ने उस ढांचे को अधिक औपचारिक और कठोर बना दिया है। यह डेटा आधारित प्रशासन की ओर एक बड़ा कदम है। फीडबैक लूप के माध्यम से सुधार की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। हालांकि, यदि डिस्क्रेशनरी मार्क्स का दुरुपयोग हुआ, तो यह विश्वास को कमजोर कर सकता है। तब यह सुधार के बजाय भय का माध्यम बन जाएगा। कुल मिलाकर, कैबिनेट सेक्रेटेरिएट का यह ह्यमार्क्स-बेस्ड परफॉर्मेंस रिव्यूह्ल भारतीय ब्यूरोक्रेसी को नई दिशा देने का प्रयास है। यह दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देता है, लेकिन साथ ही नियंत्रण और दबाव की नई परत भी जोड़ता है। यदि इसे स्कूल परीक्षा की तरह कठोर बना दिया गया, तो रचनात्मकता और दूरदृष्टि प्रभावित हो सकती है। सरकार को चाहिए कि वह इस प्रणाली को संवाद, फीडबैक और सुधार के साथ आगे बढ़ाए। तभी यह व्यवस्था वास्तव में प्रशासनिक सुधार, प्रेरणा और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रतीक बन सकेगी।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

उज्जैन में 1134 करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट, 708 किमी पाइपलाइनों का बनेगा नेटवर्क

उज्जैन ■

एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को उज्जैन में हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन किया। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए यह प्रोजेक्ट बनाया गया है। करीब 1134 करोड़ रुपए की इस परियोजना से उज्जैन में शुद्ध पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोलने की घोषणा की और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के लिए प्रोजेक्ट संवर्धन का शुभारंभ किया। उन्होंने 47.23 करोड़ की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मोक्षदायिनी क्षिप्रा मैया की कृपा से उज्जैन अब सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार हो रहा है। भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन हो रहा है। कुल 1133.67 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित की जा रही इस परियोजना से सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उज्जैन के हर घर में लंबे समय तक जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सिंहस्थ 2028 में पूरी दुनिया से आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए सीएम मोहन यादव ने उज्जैन में समस्त सुविधाएं मुहैया कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि क्षिप्रा के घाटों पर सिंहस्थ में आए 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। रामघाट के पास एक छोटा और एक बड़ा पुल बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में बताया गया कि हरियाखेड़ी परियोजना को 24 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके अंतर्गत हरियाखेडी एवं गंभीर पर 2 नए इंटेक वेल का निर्माण किया जा रहा है। नए जल शोधन संयंत्रों और 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे। योजना अंतर्गत शहरभर में 708 किमी पाइपलाइन का नया वितरण नेटवर्क विकसित किया जाएगा तथा पुरानी एसीपी पाइपलाइन भी बदली जाएगी। परियोजना से 49,087 नए घरेलू जल सेवा कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। उज्जैन के निकट बसे 20 गांवों को भी योजना में शामिल किया गया है।

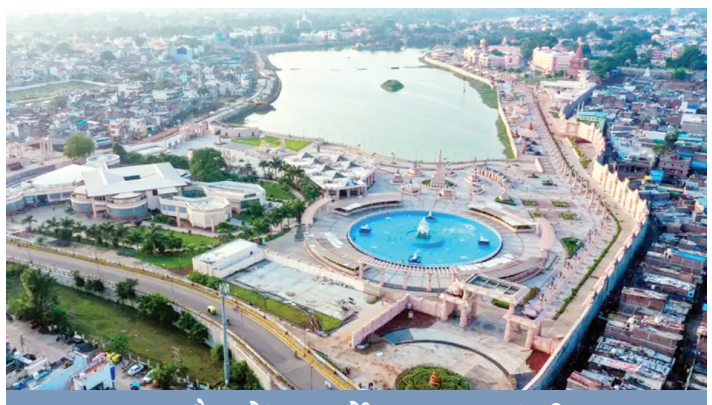

उज्जैन में आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोला जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से आयुर्वेद की पढ़ाई और चिकित्सा के लिए एक बड़ी सौगात बहुत जल्द मिलने वाली है। उज्जैन में आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले महीने मार्च में उज्जैन में भव्य गीता भवन का लोकार्पण होगा। शीघ्र ही उज्जैन-इंदौर फोर लेन रोड का भूमि-पूजन भी किया जाएगा। उज्जैन भी मेट्रोपोलिटन सिटी का हिस्सा होगा। यह सभी कार्य शहर के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

सिंहस्थ के बाद भी निर्बाध जल आपूर्ति

हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना में सिलारखेड़ी, गंभीर, उंडासा एवं साहिबखेड़ी को मुख्य जलस्रोत के रूप में उपयोग किया जाएगा जिससे सिंहस्थ के बाद भी निर्बाध जल आपूर्ति बनी रहे। सिंहस्थ-2028 के दौरान उज्जैन शहर की प्रभावी जनसंख्या करीब 9.65 लाख तथा मेला क्षेत्र की अस्थायी जनसंख्या करीब 21.83 लाख अनुमानित है। दिव्य राजसी स्नान पर एक ही दिन में करीब 2 करोड़ 28 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

क्रेडिट कार्ड से रातों-रात शॉपिंग, एयरफोर्स कर्मी का खाता कर दिया पूरा खाली

ग्वालियर ■

साइबर ठग लगातार ऐसे नए पैंतरे अपना रहे हैं, जिनका तोड़ तलाशने में पुलिस भी उलझ रही है। ठगों ने इंडियन एयरफोर्स में पदस्थ एक वायुसैनिक के दो बैंक खातों को रातों-रात खाली कर दिया। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित से न तो किसी ने ओटीपी मांगा और न ही किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक कराया गया। पीड़ित को सिर्फ खाते से रकम निकलने के मैसेज मिले और तब ठगी का पता चला।

गांधी नगर निवासी ऋषि नरगोवा ने पुलिस को बताया कि वे वर्तमान में महाराजपुरा एयरबेस में पदस्थ हैं। 6 फरवरी की रात करीब 10.30 बजे उनके मोबाइल पर एक ओटीपी आया था, जिसे उन्होंने सिर्फ देखा। इसके बाद उनके क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन खरीदारी कर ली गई। ठगों ने एसबीआई के क्रेडिट कार्ड से 95 हजार रुपये और इंडसइंड बैंक के कार्ड से 71 हजार रुपये की ऑनलाइन शॉपिंग की। कुल 1.67 लाख रुपये की ठगी सामने आई है। पीड़ित के अनुसार उनके नाम से 8 मोबाइल फोन खरीदे गए हैं। महाराजपुरा थाना टीआई यशवंत गोयल ने बताया कि वायुसैनिक के दोनों बैंक खातों में सेंधमारी की गई है। ओटीपी किस माध्यम से जनरेट हुआ और खरीदारी किस ऑनलाइन शॉड्डपिंग प्लेटफॉर्म से की गई, इसकी जांच की जा रही है।

दीवार गिरने से किसान की मौत मवेशी बांधते समय रस्सी में लगा झटका और भरभराकर गिर गई ईंटें

शहडोल ■

ब्यौहारी थाना क्षेत्र के आखेटपुर गांव में मंगलवार देर शाम दर्दनाक हादसे में 53 वर्षीय किसान की मौत हो गई। किसान मवेशी को घर के पास स्थित एक पुराने सार की दीवार में बांध रहा था तभी उसी समय अचानक दीवार गिरने से उसके नीचे दब गया, जिससे उसकी जान चली गई। घटना से गांव में शोक की लहर है।

पुलिस के अनुसार आखेटपुर निवासी अयोध्या कोल पिता स्व. रामप्यारे कोल मंगलवार सुबह रोज की तरह मवेशियों को जंगल चराने ले गए थे। देर शाम करीब 7 बजे वे मवेशियों को लेकर घर लौटे और उन्हें सार में बांधने लगे। एक मवेशी को उन्होंने दीवार में लगे लोहे के सहारे बांध दिया था। इसी दौरान मवेशी ने अचानक जोरदार झटका दिया और रस्सी छुड़ाने की कोशिश की। झटके के कारण कमजोर दीवार अचानक भरभराकर किसान के ऊपर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से अयोध्या कोल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला। आनन-फानन में अस्पताल ले जाने की तैयारी की गई, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र में ईरानी डेरे में रातभर दबिश कई अपराधियों सहित भोपाल में पकड़ाए 408 वारंटी

भोपाल ■

राजधानी भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित अमन कॉलोनी ईरानी डेरे में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी देर रात एक बार फिर भोपाल पुलिस ने दबिश दी है। ईरानी बदमाश गिरोह के सरगना और ईरानी डेरे के कथित सरदार राजू ईरानी की गिरफ्तारी और 14 ईरानी बदमाशों के फर्जी जमानतदार से जमानत कराने के बाद यह पहली बड़ी कार्रवाई है।

यह पूरी कार्रवाई भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार के निर्देशन में की गई है। कार्रवाई को इतना गोपनीय रखा गया कि ईरानी डेरे में कार्रवाई के लिए जोन-4 के डीसीपी मयूर खंडेलवाल को 400 पुलिसकर्मियों के साथ पुलिस लाइन से बदमाशों को हिरासत में लेने के लिए बड़े वाहन उपलब्ध कराए गए थे। कार्रवाई आधी रात से शुरू हुई, जब सभी बदमाश अपने-अपने घरों में सो रहे थे। कॉलोनी में पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ था। सुबह छह बजे से पहले पूरी कार्रवाई संपन्न कर ली गई। कुछ विरोध इस बार भी हुआ, लेकिन पुलिस की रणनीति के आगे ईरानी डेरे के बदमाशों और उनके परिजनों की एक नहीं चल सकी। ईरानी डेरे के साथ पूरे शहर में बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार कॉम्बिंग गश्त में 283 स्थायी वारंटी, 125 गिरफ्तारी वारंटी समेत 408 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गंभीर मामलों में फरार आरोपी, पूर्व वाहन चोर, नकबजन, जिला बदर समेत 21 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

कांम्बिंग बश्त में इनामी बदमाश भी हुए गिरफ्तार

बीती देर रात हुई कॉम्बिंग गश्त में आठ ऐसे अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो विभिन्न अपराधों में फरार थे और उनके खिलाफ इनाम घोषित था। कॉम्बिंग गश्त में ऐशबाग पुलिस द्वारा गोवंश मामले में फरार पांच हजार के इनामी आरोपी मोहम्मद अमन पिता मोहम्मद जब्बार (25) को गिरफ्तार किया गया। अशोका गार्डन पुलिस ने दो हजार के इनामी बदमाश को पकड़ा है।

पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई

स्थायी वारंटी-283 गिरफ्तार
गिरफतारी वारंटी- 125 तामील किए गए
जमानतीय वारंटी - 121 तामील किए गए
5 पूर्व वाहन चोर पकड़े गये
2 पूर्व नकबजन पकड़े गए

4 जिलाबदर पकड़े गए

66 निगरानी बदमाशों से की गई पूछताछ कॉम्बिंग गश्त के दौरान डीसीपी जोन-4 श्री मयूर खंडेलवाल के नेतृत्व में 2 एडिशनल डीसीपी, 9 एसीपी, 20 टीआई एवं 400 के बल के द्वारा थाना निशातपुरा स्थित अमन कॉलोनी के कुख्यात ईरानी डेरे पर घेराबंदी कर दबिश दी गई। दबिश के दौरान बड़ी संख्या में ईरानी डेरे से अपराधी पकड़े जाने की सूचना है। कुल कितने अपराधी ईरानी डेरे से किन-किन मामलों में पकड़े गए हैं, इस संबंध में पुलिस आयुक्त कुछ घंटे बाद मीडिया को जानकारी देंगे।

1 माह से गायब विधायक प्रदीप पटेल खौफ में

भोपाल। पुलिस और गुंडों के गठजोड़ से भाजपा विधायक प्रदीप पटेल की जान सांसत में है। मऊगंज थाने में 13 माह पहले घुसकर टीआइ सनत द्विवेदी को धमकाने वाली मूसा गैंग ने विधायक प्रदीप को मारने की धमकी दी है। विधायक इतना डरे कि उन्होंने परिवार समेत खुद को भोपाल में सरकारी आवास में कैद कर लिया है। एक माह से परिवार आवास से निकल नहीं रहा। विधायक ने ताला लगा रखा है। गार्ड सुरक्षा में डटे हैं। इस धमकी के बाद मऊगंज एसपी दिलीप सोनी ने मामले को घुमाने की कवायद शुरू कर दी है। एसपी का कहना है, ऐसी कोई गैंग नहीं है। अब सवाल है कि 29 जनवरी 2025 को तत्कालीन टीआइ द्विवेदी ने रोजनामचे में मूसा गैंग का जिक्र क्यों किया? एसपी के बयान और टीआइ के रोजनामचे से सवाल खड़े हो रहे हैं कि मऊगंज में कहीं पुलिस और गुंडों की सांठगांठ तो नहीं है?

बजट सत्र से विधायकों की मेज पर दिखेंगे टैबलेट, मप्र विधानसभा होगी डिजिटल

प्रशिक्षण भी दिया जाएगा

भोपाल ■

मध्य प्रदेश विधानसभा के कामकाज को डिजिटल बनाने की दिशा में नया कदम उठाया जा रहा है। आगामी बजट सत्र से विधायकों की मेज पर टैबलेट रखे जाएंगे। यह व्यवस्था राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (NEVA) के तहत लागू की जा रही है। शुरूआत में विधायकों को टैबलेट के जरिए बजट से जुड़े दस्तावेज देखने की सुविधा मिलेगी। हालांकि, टैबलेट का पूरा उपयोग बाद के सत्रों में किया जाएगा, क्योंकि अधिकांश विधायकों को इसके इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। अधिकारियों ने बताया कि विधायकों की मेज पर टैबलेट लगाने के लिए बिजली कनेक्शन का काम पूरा हो चुका है और बजट सत्र से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। बता दें, कि देश के कई राज्यों में पहले ही यह व्यवस्था लागू हो चुकी है। इससे कागज की खपत कम होगी और विधानसभा का कामकाज तेज, आसान और पर्यावरण के अनुकूल बनेगा। विधानसभा अधिकारियों के अनुसार, बजट सत्र के बाद विधायकों को टैबलेट चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद विधानसभा के कामकाज में टैबलेट का व्यापक उपयोग किया जाएगा।

टैबलेट की विशेषताएं

टैबलेट में अधिकतर सामग्री हिंदी भाषा में होगी, हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद की सुविधा मिलेगी। सवालों और कार्यसूची को खोजने का विकल्प होगा। साथ ही माइक्रोफोन की मदद से बोलकर सर्च किया जा सकेगा। पासवर्ड से कहीं से भी NEVA सॉफ्टवेयर एक्सेस किया जा सकेगा।

कलेक्टर अंकल, गायों को गौशाला पहुंचा दो

राजगढ़। हेलो दोस्तों, हम चाटूखेड़ा से आ रहे थे तो हमको बहुत सारी गाय दिखी और आधी गाय तो कंकाल बन गईं, आधी मर गईं और उनको पक्षी खा रहे थे। उनके खाने का कुछ भी नहीं था, पीने का भी कुछ नहीं था और उनका घर भी नहीं था। मैंने मम्मा से पूछा उनका घर नहीं होता तो मम्मा ने बोला- गौशाला उनका घर होता है। तो मैंने मम्मा से पूछा इनको गौशाला कौन भेजेगा? तो मम्मा ने बोला- कलेक्टर सर, तो कलेक्टर अंकल इन गायों को गौशाला पहुंचा दो ताकि तब ही सब गाय मरने से बच जाएंगी। ये भाव मध्यप्रदेश के राजगढ़ के एक पांच साल के बच्चे मनी ठाकुर के हैं।

90 डिग्री ब्रिज के बाद अब टॉवर रोड पर बवाल, हाईटेंशन लाइन के नीचे से गुजर रही सड़क,लोगों में दहशत

भोपाल ■

अजीबोगरीब निमार्णों को लेकर चर्चा में रहने वाली राजधानी भोपाल में अब एक और मामला सुर्खियों में है। करोंद इलाके की विनायक कॉलोनी में हाईटेंशन बिजली टॉवर के ठीक नीचे से सार्वजनिक सड़क निकाल दी गई है। स्थानीय लोग इसे तंज कसते हुए भोपाल का एफिल टॉवर कह रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि यह सड़क रोजाना खतरे के साये में गुजरती है।

घनी आबादी के बीच खड़े इस ऊंचे टॉवर के नीचे से पैदल यात्री, दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरते हैं। शुरूआत में यह इलाका खाली था, लेकिन समय के साथ यहां मकान बन गए और आबादी बढ़ती चली गई। अब स्थिति यह है कि टॉवर और हाईटेंशन लाइन के ठीक नीचे से लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही हो रही है।

बिजली करंट फैलने का डर

स्थानीय निवासियों का कहना है कि भारी वाहन यहां से नहीं निकल पाते और बारिश के दिनों में बिजली करंट फैलने का डर और ज्यादा बढ़ जाता है। बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंता है। उनका कहना है कि राजधानी में इस तरह की लापरवाही गंभीर हादसे को न्योता दे सकती है।यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब शहर में पहले 90 डिग्री एंगल वाले ऐशबाग ब्रिज और छोटे मेट्रो स्टेशन जैसी संरचनाएं चर्चा का विषय बन चुकी हैं। अब हाईटेंशन टॉवर के नीचे बनी यह सड़क भी सवाल खड़े कर रही है कि आखिर योजना और सुरक्षा मानकों का पालन कितना हो रहा है।

टॉवर को शिफ्ट करने के विकल्पों पर विचार

बिजली कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक टॉवर को शिफ्ट करने के विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, लेकिन तकनीकी और जमीन संबंधी दिक्कतों के कारण फैसला लंबित है। इधर, स्थानीय लोग जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सुरक्षा से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।फिलहाल एफिल टॉवर रोड नाम से चर्चित यह सड़क हर दिन सैकड़ों लोगों के लिए जोखिम भरा सफर बन गई है, और शहर एक और अनोखे लेकिन चिंताजनक निर्माण को लेकर बहस में है।

आज दुर्लभ खनिज बन गए हैं, युद्धों के निमंत्रण पत्र

मानवजाति को परमाणु हथियारों से घृणा होनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय आज बम और परमाणु बम महाशक्तियों के रोजमर्रा के खिलौने बन चुके हैं। पूरा विश्व मानो युद्ध की परिस्थिति से घिर गया है। एक समय था, जब दो तरह का समय होता था- एक युद्ध का और दूसरा शांति का। फिर शांति की स्थिति ने विदाई ले ली और अब केवल युद्ध तथा युद्ध की तैयारियों के दो ही समय रह गए हैं। आज तो संसार में एक ही समय बचा है, लगातार युद्ध का। रूस यूक्रेन पर बम बरसाए जा रहा है, तो दूसरी ओर इजराइल गाजा और ईरान पर आतंक बरपा रहा है। अन्य देशों में चल रहे गृहयुद्धों की तो बात ही क्या करें। बहुत तेजी से पूरा विश्व युद्ध की स्थिति से घिरता जा रहा है, लेकिन शायद ही कोई युद्ध के मुख्य और मूल कारण पर विचार करता हो।

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

युद्धों के कारणों में भी कितना परिवर्तन आ गया है। रामायण का रामझरावण युद्ध शुभ और अशुभ के बीच का संघर्ष था। महाभारत में एक ही कुल के भाइयों के बीच राज्य प्राप्ति के लिए युद्ध हुआ। बाद में इतिहास में कभी विश्वविजेता बनने की लालसा में, कभी किसी सुंदर स्त्री या संपत्ति की चाह में और कभी विरोधी देश को सबक सिखाने के लिए युद्ध रचे जाते रहे। हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों के विनाश के बाद मानवता को परमाणु हथियारों से घृणा हो जानी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय आज बम और परमाणु बम महाशक्तियों के रोज खेले जाने वाले खिलौने बन गए हैं। एक समय धरती पर युद्ध लड़े जाते थे, फिर आकाशीय युद्ध शुरू हुए और अब तो मनुष्य की लालसा पाताल तक पहुंच गई है। आज संसार में जो युद्ध हो रहे हैं, उनका मुख्य कारण व्यापार बन चुका है। किसी देश को दंड देने के लिए ह्यटैरिफ टेररह्ल की चाबुक चलाई जाती है। भारत में ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापारी के वेश में आई और व्यापार के दांव-पेंच खेलकर धीरे-धीरे विशाल भारत को गुलाम बना लिया। आज के समय में ह्यजियोपालिटिक्सह्ल शब्द बारबार सुनाई देता है और इसका कारण यह है कि शक्तिशाली देश अब धरती की गहराइयों में छुपे दुर्लभ खनिजों पर अपना प्रभुत्व जमाना चाहते हैं। आज युद्ध तेल के लिए होते हैं और डोनाल्ड ट्रम्प भारत को रूस से कच्चा तेल न खरीदने की धमकी देते रहते हैं। अमेरिका ने वेनेजुएला पर प्रभुत्व जमाकर सबसे पहले उसके राष्ट्रपति को बंदी बनाया और फिर उसके तेल कुओं पर नियंत्रण कर लिया। विभिन्न देशों में तेल के कुएं खोदकर रायल्टी प्राप्त करने के लिए विकसित देश साम, दाम, दंड, भेद, सब अपनाते रहे हैं। दूसरी ओर विकासशील देशों ने भी विकास के लिए उन्हीं देशों का कच्चा तेल लेकर अपनी रिफाइनरियों के अपशिष्ट से अनेक उद्योग खड़े किए हैं। इसी संदर्भ में विश्वकोश संस्था के भूगोल विशेषज्ञ श्री नितिन कोठारी के कुछ महत्वपूर्ण विचार उल्लेखनीय हैं। वे कहते हैं कि समय और परिस्थितियों के बदलने के साथ भूराजनीति के नए आयाम उभरते हैं और ऐसा ही एक नया आयाम है दुर्लभ खनिज। इन दुर्लभ खनिजों की खोज 1787 में स्वीडन के सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल एक्सेल अरेनियस ने की थी। वह खनिज ह्यगैडोलिनाइटह्ल था। इसके बाद 1803 में जर्मनी के जान जैकब ने दुर्लभ खनिज ह्यसीरियमह्ल की खोज की। इस तरह क्रमशः दुर्लभ खनिजों की खोज होती गई। प्रमुख खनिजों में नियोडिमियम, सीरियम, लैंथेनम, इटर्बियम, प्रासोडिमियम, समेरियम और प्रोमेथियम शामिल हैं। इनके अलावा स्कैंडियम, डिस्प्रोसियम, टर्बियम, यूरोपियम और कोबाल्ट भी हैं। लेकिन सबसे दुर्लभ खनिज ह्यक्यावथुइटह्ल माना जाता है। विश्व में इन दुर्लभ खनिजों का भंडार लगभग 130 मिलियन टन आंका गया है। आज दुनिया के अधिकांश देश समय के साथ कदम मिलाने के लिए इन दुर्लभ खनिजों को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। विश्व की महाशक्ति अमेरिका को भी भविष्य को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक जोड़-तोड़ करनी पड़ रही है। उदाहरण के लिए चीन से दुर्लभ खनिज प्राप्त करने के लिए उसे घोषित टैरिफ की दरों में कटौती करनी पड़ी। आज विश्व राजनीति में चीन के लगातार शक्तिशाली बनने का एक बड़ा कारण उसके पास मौजूद दुर्लभ खनिजों का विशाल भंडार है। इतना ही नहीं, वह अन्य देशों के खनिज संसाधनों पर भी तरह-तरह के दांव-पेच आजमा रहा है। सहायता के बदले दुर्लभ खनिज प्राप्त करने की उसकी नीति जगजाहिर है। चीन, मंगोलिया के दूरदराज क्षेत्रों में स्थित दुर्लभ खनिजों पर नजर गड़ाए बैठा है और कूटनीतिक दबाव बना रहा है। वहीं दूसरी ओर बौद्ध संस्कृति के प्रचार का मुखौटा ओढ़कर वह म्यांमार के मोगोक क्षेत्र में मौजूद बहुमूल्य खनिजों को हथियाने के लिए जाल बिछा रहा है। आज विश्व के 195 देशों में से केवल 36 देशों के पास ही ये दुर्लभ खनिज हैं। इनमें से भी आधे देशों के पास दो प्रतिशत से भी कम भंडार है। पाकिस्तान और म्यांमार में कुछ मात्रा में ये खनिज पाए जाते हैं, लेकिन बांग्लादेश, भूटान और मालदीव में इनका नाममात्र अस्तित्व है। पूरी दुनिया दुर्लभ खनिजों के लिए क्यों लड़ रही है? क्योंकि इनका उपयोग इलेक्ट्रानिक्स, ड्रोन, रोबोट, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, एलईडी लाइट, परमाणु रिएक्टर, सेंसर, युद्धपोत, उपग्रह, विमान, मशीनें, पवनचक्कियां, ऊर्जा के पुनः उपयोग, दवाइयों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में होता है। इन खनिजों का सबसे अधिक भंडार जिन दस देशों में है, वे हैं चीन (44 मिलियन टन), ब्राजील (21 मिलियन टन), भारत (6.9 मिलियन टन), आस्ट्रेलिया (5.7 मिलियन टन), रूस (3.8 मिलियन टन), वियतनाम (3.5 मिलियन टन), अमेरिका (1.9 मिलियन टन), कनाडा (1.5 मिलियन टन) और तंजानिया (1.0 मिलियन टन)। इन दुर्लभ खनिजों का अधिकतम उपयोग छह प्रमुख क्षेत्रों में होता है, सौर पैनल, विद्युत परिवहन, पवन ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, मिश्र धातु निर्माण और हाइड्रोजन आधारित तकनीक। रक्षा, परिवहन, चिकित्सा, सौंदर्य प्रसाधन और कृषि उपकरणों में भी इनका व्यापक उपयोग है। भारत ने हाल ही में ह्यरेयर अर्थ कारिडोरह्ल की स्थापना चार राज्यों में की है और सेमीकंडक्टर के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जिससे इन खनिजों के महत्व का अहसास स्पष्ट होता है। ब्रिटेन के महान नेता, लेखक और कुशल वक्ता सर विंस्टन चर्चिल (1874झ1965) द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थे। संसद में एक बार विपक्ष का एक नेता लंबा, बेतरतीब और तथ्यहीन भाषण दे रहा था। चर्चिल ऊब गए और धीरे-धीरे सो गए। विपक्षी नेता ने व्यंग्य करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री महोदय, आप सो रहे हैं। मेरे तर्कों का जवाब कैसे देंगे। संसद में ठहाके गूंज उठे। तब चर्चिल ने आंखें बंद ही रखते हुए कहा कि आपके भाषण पर मेरी राय? यही नींद मेरी राय है। पूरा सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

जाति संगठन और सामाजिक परिवर्तन का द्वंद्व

गौतम बुद्ध ने कहा- बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय। उन्होंने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय नहीं कहा। बुद्ध महाकरूणा के सागर थे, तब भी उन्होंने बहुजन के सुख की कामना की, सर्वजन की नहीं। सवाल है कि क्या बुद्ध के मन में संदेह था कि इस दुनिया के तमाम लोगों को सुखी नहीं किया जा सकता? सवाल यह भी है कि बहुजन के अलावे जो बच जाते हैं, वे अनिवार्य रूप से शोषक ही थे या इतने बिगड़े हुए थे कि उनमें बदलाव की संभावना ना के बराबर थी? उपनिषद में लिखा है - वसुधैव कुटुंबकम। वसुधा पर रहने वाले तमाम लोग कुटुंब हैं। उपनिषद में यह घोषणा इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि उपनिषद - काल में भी वसुधा पर रहने वाले तमाम लोग कुटुंब नहीं थे। इतने वर्षों बाद भी दुनिया की बात तो छोड़िए, क्या भारतवर्ष में ही सभी कुटुंब हो सके? उपनिषद सर्वजन की बात करता है, लेकिन उपनिषद जिस समाज में विकसित हुआ, वह खंडों में बंटा है। खंडों में जी रहा मनुष्य अपने अपने खंड में चिपका हुआ है और उसे ही दुनिया मान बैठा है। आज देश में न बहुजन खुश है, न सर्वजन। मनुष्य की चालाकी या धूर्तता कहिए कि जिसने भी आधुनिक युग में बहुजन की एकता या उसकी खुशी चाही, उसे भी खंडों में बांट दिया।

डॉ. योगेन्द्र
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

आजादी के 78 वर्षों बाद जाति संगठन का उफान है। यों आजादी की लड़ाई के समय भी जाति संगठन थे, लेकिन उन संगठनों में जाति कल्याण की थोड़ी भावना थी। कोई शिक्षा संस्थान खोल रहा था तो कोई जाति के अंदर सामाजिक सुधार कर रहा था। तीन जातियों का गठजोड़ त्रिवेणी संघ भी बना। आजादी के बाद जाति संगठन बनाने की होड़ लग गई। भूमिहार, ब्राह्मण, राजपूत, कायस्थ, यादव, कुर्मी, कुशवाहा से लेकर एस सी में शामिल जातियों के भी संगठन बने। यहां तक कि उप जातियों के भी संगठन बनाये गये। संगठन बनाते हुए जाति नेताओं का दावा यह रहा कि उनकी जाति की उपेक्षा हुई है। राजनीति में वाजिब भागीदारी नहीं मिली है, इसलिए जाति गोलबंदी करनी चाहिए। ऐसे संगठनों का उद्देश्य सीमित था, इसलिए जिनके मन में जाति इस्तेमाल कर नेता बनने की इच्छा हुई, उसने जाति की सभा और महासभा बनायी। नतीजा है कि जाति संगठनों की भरमार है। ज्यादातर जाति संगठनों के पास लिखित नीति या उद्देश्य नहीं है। यदा कदा जाति - भोज होता है, जाति का कोई नेता जीत गया तो उसे माल्यार्पण होता है या फिर जाति का कोई खेल, अफसरी , डिग्री आदि में अच्छा करता है तो उसका स्वागत समारोह होता है। अपने जाति के नेता के साथ फोटो खींचा कर फेसबुक पर डालना उसका कर्तव्य होता है। इसके पीछे लोगों का आर्थिक और राजनैतिक स्वार्थ सक्रिय होता है। सीमित अर्थ में इन जाति संगठनों की एक उपयोगी भूमिका हो सकती है। अगर वह अपनी ही जाति के निर्धनों को जमीन दे दे या जाति के अंदर दहेज प्रथा रोक दे या जाति के अंदर की सामाजिक बुराइयों को दूर करे या पढ़ाई-लिखाई में अपनी जाति के गरीबों को मदद करे। आज भीषण स्वार्थ से ग्रसित लोग लोकतंत्र और सामाजिक परिवर्तन के रास्ते में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। महात्मा बुद्ध से लेकर जगदेव प्रसाद तक बहुजन हिताय की बात करते रहे और आज उन्हें भी जाति में विभाजित कर उसकी परंपरा को भी नष्ट कर रहे हैं। हमें जाति विनाश के बारे में सोचना चाहिए, न कि उसकी जड़ में पानी और खाद देकर लहकाना चाहिए। लोकतंत्र लोगों का तंत्र है, वह जाति या संप्रदाय का तंत्र नहीं है। एक सौ वर्ष के हिन्दू संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अब तक के छह सर संघचालक में पांच ब्राह्मण और एक राजपूत हुए हैं। वर्षों बरस एक जातिवादी मानसिकता का आदमी सर संघचालक पद पर बैठा रहता है। उसने आज तक हिन्दू एकता तक की बात नहीं सोची। अगर सोचता तो जाति विनाश के बारे में भी सोचता। जाति रहते हुए हिन्दू एकता कैसे हो सकती है? जिस संगठन में कोई चुनाव नहीं होता, उस संगठन से निकला आदमी लोकतांत्रिक कैसे हो सकता है?

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती...

ललित गर्ग | लेखक

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति नए भारत और विकसित भारत की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा विश्वास है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है।

ग्लोबल हेराल्ड

यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है। एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक ह्लगोल्डन ऑवरह्व में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है। वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी। एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो। अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका की 74 फीसद आबादी पर रोजी-रोटी का संकट

पूंजीवादी देश अमेरिका जो दुनिया के देशों को समृद्धि और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता है वह अपने ही नागरिकों को दो टाइम का भोजन नहीं दे पा रहा है। अमेरिका का मध्यम वर्ग गरीब हो रहा है। सारी दुनिया में अमेरिका की जो तस्वीर दिखाई जाती है, ठीक उसके विपरीत हालिया सर्वे मे एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने अमेरिका की कलई खोल कर रख दी है। आमतौर पर चमकदार इमारतों, शेयर बाजार और वैश्विक ताकत की आड़ में अमेरिका अपनी वास्तविकता को छिपा देता है। सर्वे के अनुसार अमेरिका की करीब 74 प्रतिशत आबादी रोजी-रोटी के गंभीर संकट से जूझ रही है। यह संकट केवल गरीबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मिडिल क्लास और युवा वर्ग पर इसकी सबसे बड़ी मार पड़ी है। अमेरिका में हालात ये हैं, लोग बिजली, गैस, पानी जैसी बुनियादी जरूरत के मासिक बिल तक अदा नहीं कर पा रहे हैं। किराना, किराया और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सर्वे के अनुसार 10 में से 9 अमेरिकी मानते हैं, पूरा अमेरिका कॉस्ट ऑफ लिविंग क्राइसिस में फंस गया है। सर्वे में 10 में से 8 लोगों ने माना है, पिछले एक साल में महंगाई तेजी के साथ बढ़ी है। जिसके कारण उनका नियमित जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है।

पिछले 1 साल में जिस तरह से सरकार की नीतियां हैं, उसने आम आदमी का जीवन दूभर कर दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति अमेरिका मे युवाओं की है। महंगाई और बेरोजगारी के चलते युवा वर्ग में गुस्सा, असंतोष और निराशा तेजी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका का मध्यम वर्ग टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती थी उसका उपयोग छुट्टियों, मनोरंजन या खरीदारी के लिए करता था। अब टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती है, उसका उपयोग पेट भरने और कर्ज.चुकाने के लिए करना पड़ रहा है। सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत लोगों ने माना है, टैक्स रिफंड अब जीवन यापन के लिए ज्यादा जरूरी हो गया है। 60 प्रतिशत लोगों ने रिफंड जल्दी देने की बात कही है। टैक्स रिफंड में देरी होने से खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है। जेन-जी के लिए यह संकट और भी गहरा है। करीब 74 प्रतिशत युवा रिफंड नहीं मिलने पर आपात जरूरतें भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिका के इस आर्थिक दबाव का सीधा असर सभी वर्गों पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका से आंतरिक पलायन शुरू हो गया है। लोग एक शहर से दूसरे शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य यहां तक कि यूरोपीय देशों में भाग रहे हैं। जहां वह वर्षों से रह रहे थे, वहां अब उनका गुजारा संभव नहीं हो पा रहा। सर्वे बताता है कि जेन-जी के लगभग 50 प्रतिशत युवा तथा कुल आबादी के 38 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक आर्थिक कारणों से ठिकाना बदल चुके हैं। यह पलायन की स्थिति उन्हें जड़ों से काटने की प्रक्रिया मानी जा रही है। विडंबना यह है, जिन राज्यों को अफोर्डेबल अमेरिका कहा जाता है, उनमे मिसिसिपी, अलबामा और ओक्लाहोमा के 60 प्रतिशत लोग मानते हैं। वह किसी तरह से अपना खर्च चला पा रहे हैं। अमेरिका के सबसे सस्ते राज्यों की बड़ी आबादी आर्थिक संकट से जूझ रही है। यह स्थिति इस बात का सूचक है कि अमेरिका गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है। पिछले एक साल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह के निर्णय लिए जा रहे हैं, उसके बाद अमेरिका में बदहाली बढ़ती जा रही है। इसका असर सामाजिक स्तर पर बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। युवाओं को अपना भविष्य अंधकार में दिख रहा है। इससे उनमें गुस्सा, नशा और सामाजिक तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका में युवाओं की बहुत बड़ी संख्या अब अपराध की ओर भी जाती हुई दिख रही है। यह वही अमेरिका है, जहां सड़कों पर समृद्धि दिखती है। पूंजीवादियों के ऐशो आराम और अय्याशी को देखकर लगता है, अमेरिका बहुत धनवान है। अमेरिका में रहने वाले लोग बहुत प्रसन्न हैं, लेकिन अमेरिका की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। नागरिकों के मन में असुरक्षा और भय पनप रहा है। अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां उसकी चमकदार छवि और जमीनी हकीकत के बीच की खाई गहरी होती जा रही है। अमेरिका में 74 प्रतिशत आबादी के सामने रोजी-रोटी का संकट होना अमेरिका के लिए गंभीर चेतावनी है। अमेरिका खुद को दुनिया का नेतृत्वकर्ता मानता है, लेकिन अमेरिका लगातार कर्ज के संकट में फंसता चला जा रहा है। सारी दुनिया में दादागिरी करने के चक्कर में लगातार अपने ही बनाए गए मकड जाल में फंसता जा रहा है। जिसके कारण अब अमेरिका को हर तरफ से चुनौती मिल रही है। यह अमेरिका के उस आर्थिक मॉडल की कहानी है। जो अपने फायदे के लिए किसी भी स्तर तक जाकर अपनी दादागिरी कायम रखना चाहता है। लेकिन अब यही दादागिरी अमेरिका के अस्तित्व के लिए संकट बन गया है। गलत नीतियों के कारण जिस तरह से सोवियत रूस का विघटन हुआ था लगभग वही स्थिति अब अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से गरीबों और मध्यम वर्ग को उनके हाल पर छोड़ दिया है। जिस तरह से अमेरिका में अपराध बढ़ रहे हैं। अमेरिका की सरकार पर बढ़ता कर्ज अब अमेरिका के ऊपर भारी पड़ने लगा है। रही सही कसर डॉलर का जो वैश्विक अस्तित्व था अब उसे चुनौती मिल रही है। जिसके कारण आने वाले समय में अमेरिका विघटन की ओर बढ़ रहा है। अमेरिकी पूंजीवादी व्यवस्था को वैश्विक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। विश्व में अमेरिका अलग-थलग पड़ता चला जा रहा है। अमेरिका में जिस तरह की स्थितियां बन गई हैं। उससे पूंजीवाद के खिलाफ आंतरिक विद्रोह की संभावना बढ़ती चली जा रही है। अमेरिका का यह संकट सारी दुनिया के देशों को एक सबक के रूप में देखना होगा। वैश्विक व्यापार संधि लागू होने के बाद जिस तरह से कर्ज की अर्थव्यवस्था के सहारे दुनिया के देशों ने चलना शुरू किया था, अब कर्ज की जगह बचत ही एकमात्र सहारा होगा। यह सबक तो लिया ही जा सकता है।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

दुखी चित्त के लक्षण हैं उत्सव

दुनिया में दो ही तरह के लोग हैं- एक वे जो अपने को नया करने का राज खोज लेते हैं, और एक वे जो अपने को पुराना बनाए रखते हैं और चीजों को नया करने में लगे रहते हैं। भौतिकवादी और आध्यात्मवादी में एक ही फर्क है। आध्यात्मवादी रोज अपने को नया करने की चिंता में संलग्न है। क्योंकि उसका कहना यह है कि अगर मैं नया हो गया तो इस जगत में मेरे लिए कुछ भी पुराना न रह जाएगा। क्योंकि जब मैं ही नया हो गया तो पुराने का स्मरण करने वाला भी न बचा, पुराने को देखने वाला भी न बचा, हर चीज नई हो जाएगी। और भौतिकवादी कहता है कि चीजें नई करो, क्योंकि स्वयं के नए होने का तो कोई उपाय नहीं है। नया मकान बनाओ, नई सड़कें लाओ, नए कारखाने, नई सारी व्यवस्था करो। उत्सव हमारे दुखी चित्त के लक्षण हैं। चित्त दुखी है वर्ष भर, एकाध दिन हम उत्सव मना कर खुश हो लेते हैं। वह खुशी बिल्कुल थोपी गई होती है। क्योंकि कोई दिन किसी को कैसे खुश कर सकता है? दिन! अगर कल आप उदास थे और कल मैं उदास था, तो आज दिवाली हो जाए तो मैं खुश कैसे हो जाऊंगा? हां, खुशी का भ्रम पैदा करुंगा। दीये, पटाके, फुलझड़ियां और रोशनी धोखा पैदा करेंगी कि आदमी खुश हो गया। लेकिन ध्यान रहे, जब तक दुनिया में दुखी आदमी हैं, तभी तक दिवाली है। जिस दिन दुनिया में खुश लोग होंगे उस दिन दिवाली नहीं बचेगी, क्योंकि रोज ही दिवाली जैसा जीवन होगा। जब तक दुनिया में दुखी लोग हैं तब तक मनोरंजन के साधन हैं। जिस दिन आदमी आनंदित होगा उस दिन मनोरंजन के साधन एकदम विलीन हो जाएंगे। कभी यह सोचा न होगा कि अपने को मनोरंजित करने वही आदमी जाता है जो दुखी है। इसलिए दुनिया जितनी दुखी होती जाती है उतने मनोरंजन के साधन हमें खोजने पड़ रहे हैं। चौबीस घंटे मनोरंजन चाहिए, क्योंकि आदमी दुखी होता चला जा रहा है। हम समझते है कि जो आदमी मनोरंजन की तलाश करता है, बड़ा प्रफुल्ल आदमी है। ऐसी भूल में मत पड़ जाना। सिर्फ दुखी आदमी मनोरंजन की खोज करता है। और सिर्फ दुखी आदमी ने उत्सव ईजाद किए हैं। पुराने पड़ गए चित्त में, जिसमें धूल ही धूल जम गई है; वह नए दिन, नया साल, इन सबको ईजाद करता है। और धोखा पैदा करता है थोड़ी देर। कितनी देर नया टिकता है? कल फिर पुराना दिन शुरू हो जाएगा। लेकिन एक दिन के लिए हम अपने को झटका देकर जैसे झाड़ देना चाहते हैं सारी राख को, सारी धूल को। उससे कुछ होने वाला नहीं है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार सपाट बंद हुआ, सेंसेक्स 40 अंक गिरा, निफ्टी 18 अंक उछला

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में मिला-जुला कारोबार देखा गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएससई सेंसेक्स ने एक तय दायरे में कामकाज किया और अंत में यह 40.28 अंक नीचे आकर 84,233.64 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 18.70 अंक की हल्की बढ़त लेकर 25,953.85 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू शेयर बाजार की नजर तिमाही परिणामों पर लगी है। इसलिए सीमित दायरे में कामकाज हुआ। आज ऑटो और हेल्थ सेक्टर में तेजी रही जबकि

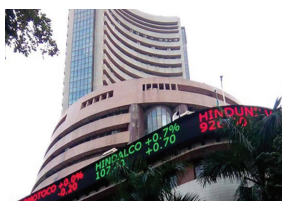

आईटी में गिरावट रही। दुनिया भर में बिकवाली के माहौल से भी बाजर पर दबाव पड़ा। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट रही। सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 2.46 फीसदी टूटू। इन्फोसिस, एचसीएल टेक, इटरनल, आईटीसी, टेक महिंद्रा, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरे। दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयर उछले। मारुति सुजुकी और ट्रेंट के शेयर भी आज बढ़े। ब्रोडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी हेल्थकेयर सेक्टर में सबसे अधिक 1.62 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी ऑटो में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि निफ्टी आईटी सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। इसमें 1.76 फीसदीत की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 84,339 अंक पर खुला। सुबह खुलने के बाद इसमें में तेजी देखने को मिली। सुबह ये की बढ़त के साथ 84,413.21 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह निफ्टी सुबह ये 55.75 अंक की फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,990.90 पर कामकाज कर रहा था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सुबह तेजी रही। जापान का निक्केई इंडेक्स बढ़त के साथ उछला। वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी बढ़त देखी गई।

नई एंट्री-लेवल सुपरकार फेरारी अमालफी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली ■

भारत में कार निमार्ता कंपनी फेरारी अपनी नई एंट्री-लेवल सुपरकार फेरारी अमालफी जल्द लॉन्च करने जा रही है। फेरारी ने आधिकारिक रूप से पुष्टि कर दी है कि भारत में इसका एक्स-शोरूम प्राइस 5.59 करोड़ रुपये होगा।

दमदार परफॉर्मेंस वाली यह कार ट्विन-टर्बो वी 8 इंजन से लैस है, जो 631 हॉर्सपावर जेनरेट करती है। यह सिर्फ 3.3 सेकेंड में 0 से 100 किमी/घंटा और मात्र 9 सेकेंड में 0 से 200 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। फेरारी अमालफी को ट्रेडिशनल फेरारी डिजाइन के साथ मॉडर्न टच देते हुए तैयार किया गया है। इसके फ्रंट में पारंपरिक ग्रिल की जगह बॉडी-कलर्ड फ्लोटिंग विंग दिया गया है, जो इसे भविष्यवादी लुक देता है। इसके साथ स्लीक इंटीग्रेटेड हेडलैंप्स और फ्रंट सेंसर वाहन को और प्रीमियम बनाते हैं। लोअर स्प्लिटर कार की चौड़ाई और स्पोर्टीनेस को बढ़ाता है।

सोने चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने चांदी में तेज शुरूआत रही। दोनो कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में आज बढ़त रही। घरेलू बाजार में आज सोने की वायदा कीमतें 1,57,950 रुपये जबकि चांदी की 2,59,200 रुपये के आसपास रहीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में बढ़त रही है। सोने के वायदा भाव की शुरूआत अच्छी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 1,633 रुपये बढ़कर 1,58,436 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,56,803 रुपये था। ये 1,58,436 रुपये के उच्च और 1,57,808 रुपये के निचले स्तर तक पहुंचा। सोने के वायदा भाव पिछले माह 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली ■

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने जा रही है, जिनमें मौजूदा मॉडलों के फेसलिफ्ट वर्जन और बिल्कुल नए इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की तैयारी में है।

टाटा का लक्ष्य हुंडई और महिंद्रा जैसी कंपनियों को कड़ी चुनौती देते हुए ईवी सेगमेंट में अपनी लीड को बरकरार रखना है। कंपनी की सबसे पहली अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार है पंच ईवी, जो 20 फरवरी 2026 को अपडेटेड रूप में लॉन्च होगी। इस एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक एसयूवी में नया फ्रंट ग्रिल, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और नए अलॉय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। इसमें 45 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 120 बीएचपी की पावर और 190 एनएम टॉर्क दिया जा सकता है, जिससे इसकी परफॉर्मेंस और रेंज दोनों बेहतर होंगे। दूसरी कार टियागो ईवी फेसलिफ्ट है, जिसके मई 2026 में आने की संभावना है। इसमें नया फ्रंट डिजाइन, अपडेटेड टेल लैंप्स और बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। टियागो ईवी के दोनें बैटरी विकल्प 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच जारी रहने की उम्मीद है, जिससे यह ग्राहकों के लिए एक किफायती और प्रैक्टिकल विकल्प बन सकती है।

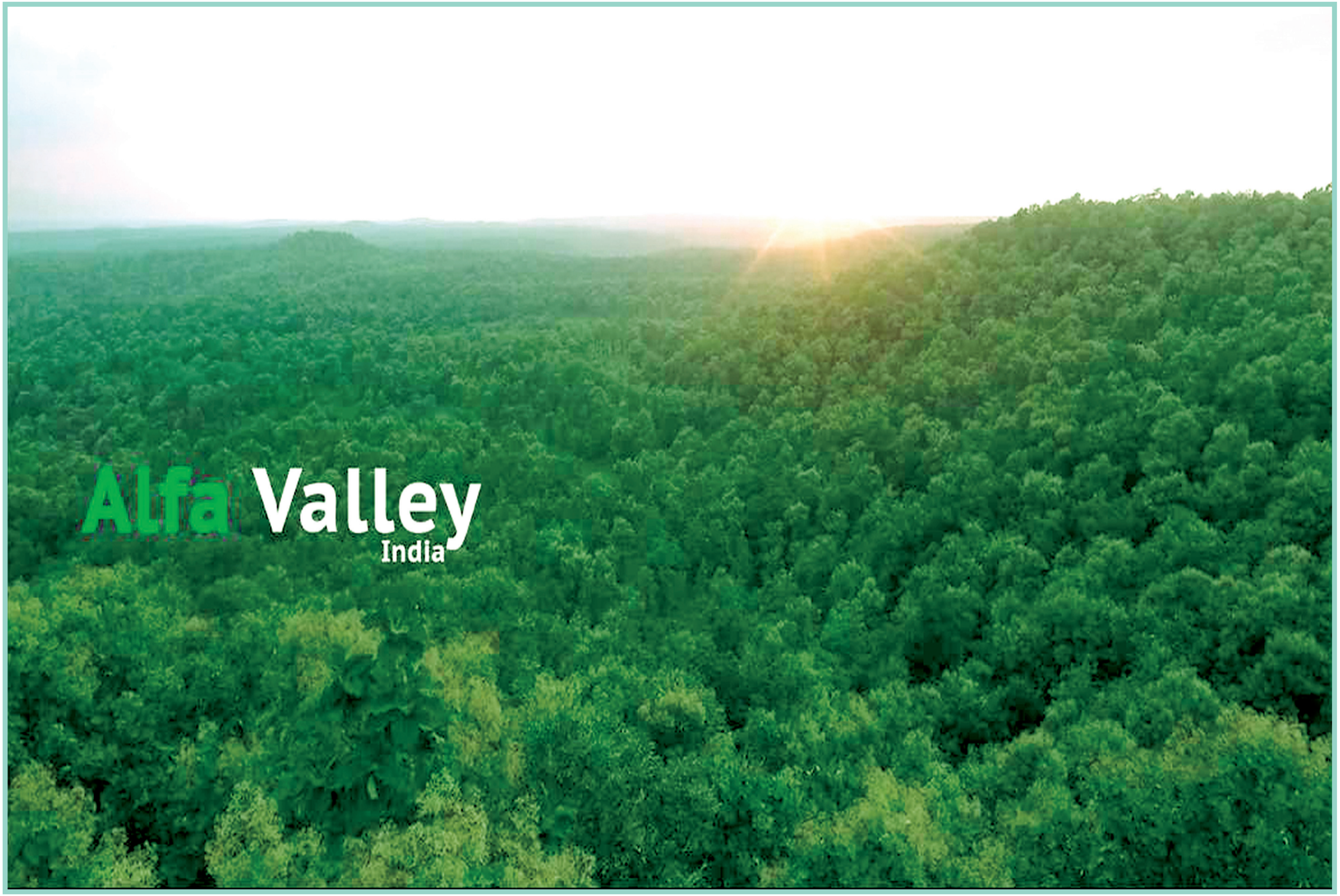

Alfa Valley
India

टी-20 वर्ल्ड कप- ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 67 रन से हराया, जम्पा और एलिस ने 4-4 विकेट झटके

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली जीत हासिल कर ली है। टीम ने 14वें मैच में आयरलैंड को 67 रनों से हराया। बुधवार को कोलंबो में खेले गए ग्रुप-बी के इस मैच में कंगारुओं ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। कंगारुओं ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाए। जवाबी पारी में आयरलैंड ने 16.5 ओवर में 9 विकेट पर 115 रन ही बना सकी। नाथन एलिस और एडम जम्पा ने 4-4 विकेट झटके। एक विकेट मैथ्यू कुहनेमन को मिला। कप्तान पॉल स्टर्लिंग पहली बॉल पर रिटायर हर्ट हो गए हैं। वे बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। जॉर्ज डॉकरेल ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। लोरकन टकर ने 24 रन का योगदान दिया। शेष बैटर्स खास प्रदर्शन नहीं कर सके। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्कस स्टोयनिस ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए। जोश इंग्लिस और मैट रैनशॉ ने 37-37 रन बनाए। आयरलैंड की ओर से मार्क अडायर ने 2 विकेट झटके। मैथ्यू हम्फ्रीज, जॉर्ज डॉकरेल और हैरी टेक्टर ने एक-एक विकेट लिए।

एलिस को चौथा विकेट, मैकार्थी आउट, ऑस्ट्रेलिया जीता

17वें ओवर की 5वीं बॉल पर नॉथन एलिस ने बैरी मैकॉर्थी को कैमरन ग्रीन के हाथों कैच कराया। उन्हें चौथा विकेट मिला है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 67 रनों से जीत लिया है। 14वें ओवर में आयरलैंड ने छठा विकेट गंवाया। यहां पर लोरकन टकर 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एडम जम्पा ने कूपर कॉनोली के हाथों कैच कराया। उन्हें दूसरा विकेट मिला है। उन्हें गैरेथ डेलानी (11 रन) के विकेट झटके।

पावरप्ले में आयरलैंड का स्कोर 40/4- 183 रन का टारगेट चेज कर रही आयरलैंड की शुरुआत खराब रही है। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में 40 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए हैं। गैरेथ डेलानी क्रीज पर हैं। चौथे ओवर से 9 रन आए। लोरकन टकर ने मैथ्यू कुहनेमन की आखिरी बॉल पर छक्का लगाया। इस ओवर के बाद आयरलैंड का स्कोर 27 रन हो गया है।

बार्टलेट के ओवर से 10 रन आए

12वें ओवर में जेवियर बार्टलेट ने 10 रन खर्च कर दिए हैं। इस ओवर की दूसरी बॉल पर जॉर्ज डॉकरेल ने चौका लगाया। उन्होंने अगली दो बॉल पर दो डबल्स लिए। 11वें ओवर में लोरकन टकर की जांघ के पास नाथन एलिस की बॉल लग गई। एलिस ने 139.8 की स्पीड की बॉल पर टकर क्रॉस खेल गए और बॉल जांघ के पास लगी। 7वें ओवर की 5वीं बॉल पर आयरलैंड ने 5वां विकेट गंवाया। यहां पर गैरेथ डेलानी (11 रन) को एडम जम्पा ने विकेटकीपर जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। जम्पा ने इस ओवर में 3 रन दिए।

माइक टायसन को हराने वाला फाइटर फूट-फूटकर रोया

गर्लफ्रेंड के ओलंपिक चैंपियन बनने पर हुआ भावुक

मिलानो ■ एजेंसी

जुट्टा लीरडैम ने 1000 मीटर में ओलंपिक रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड जीता। स्टैंड में बैठे उनके मंगेतर जेक पॉल भावुक होकर रो पड़े और सोशल मीडिया पर गर्व जताया। टायसन को हराने वाला बॉक्सर इस बार प्यार की जीत पर पिघलता दिखा।

मिलानो कोर्टिना विंटर ओलंपिक 2026 में डच स्पीड स्केटर जुट्टा लीरडैम ने महिलाओं की 1000 मीटर रेस में 1:12.31 का समय निकालते हुए नया ओलंपिक रिकॉर्ड बना दिया। जैसे ही वह फिनिश लाइन पार कर गोल्ड की हकदार बनीं, स्टैंड में बैठे उनके मंगेतर जेक पॉल की आंखों से आंसू रुक नहीं पाए। 29 वर्षीय बॉक्सर और सोशल मीडिया स्टार अपनी मां पाम और लीरडैम की मां मोनिक के साथ मुकाबला देख रहे थे। सिल्वर (बीजिंग 2022) से गोल्ड तक का

सफर पूरा होते ही जेक फूट-फूटकर रोने लगे। यह पल दोनों लंबे समय से देख रहे थे। लीरडैम के लिए यह सीजन आसान नहीं था। क्वालिफिकेशन के दौरान गिरने के बाद उन्हें चयन के लिए विशेष अनुमति की जरूरत पड़ी थी, लेकिन मिलान पहुंचकर उन्होंने मौका भुना और इतिहास रच दिया। उनकी टीममेट फेम्के कोक ने 1:12.59 के साथ सिल्वर, जबकि जापान की ताकागी मिहो ने ब्रॉन्ज जीता।

मनोरंजन

चाहत पांडे ने हसरतें सीजन 3 में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने रिमिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। रिमिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीड़न और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती रिमिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है। जैसे-जैसे रिमिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। रिमिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने। यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है।

कलाकारों का पूरा दिन निकल जाता है काम में: अर्जुन बिजलानी

आठ घंटे की शिफ्ट को लेकर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने खुलकर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। एक्टर ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं। अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है। उन्होंने कहा, शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है। अर्जुन ने कहा, सबसे मुश्किल बात यह है कि अगले दिन फिर वही दिनचर्या दोहरानी पड़ती है।

जब पत्नी ने एक्टर को घर से निकाला बोली- बाहर जाओ, पैसे कमाओ

अभिनेता आर माधवन आजकल हर दूसरी-तीसरी फिल्म में नजर आ रहे हैं। उनकी पिछले छह महीनों में करीब तीन फिल्में रिलीज हुई, जिसमें से एक फिल्म धुरंधर है, जो अभी भी बॉक्स ऑफिस और ओटीटी दोनों पर धमाल मचा रही है। इसमें उन्होंने अजय सान्याल का रोल निभाया है, जो भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के किरदार से प्रेरित था। फिल्म धुरंधर में माधवन का रोल काफी कम था, लेकिन इसके पार्ट-2 में उनका रोल बड़ा और अहम होने वाला है। बता दें माधवन इस समय हिंदी और साउथ दोनों फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिवली काम कर रहे हैं। हालांकि एक वक्त ऐसा भी था जब वो चार साल तक एक्टिंग से दूर रहे। कोविड-19 से पहले माधवन काम से दूर थे, लेकिन इसी दौरान वह अपने अगले फेज की तैयारी में भी जुटे थे। हाल ही में उन्होंने उस दौर को याद किया, जब वह काम नहीं कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी पत्नी सरिता ने उन्हें काम करने के लिए प्रेरित किया। रिपोर्ट के मुताबिक माधवन ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए बताया कि मेरी बीवी कहती है कि आप कभी काम से बाहर नहीं निकल सकते। आप तो तमिल कॉमेडी करते हैं, तमिल एक्शन करते हैं। ओटीटी करते हैं, हिंदी एक्शन करते हैं, इंग्लिश ओटीटी करते हैं। मुझे तो हैरानी हो रही है कि आप घर पर बैठे हैं। कोरोना के समय 2020 में उन्होंने मुझे घर से बाहर निकाल दिया और बोलीं कि जाओ बाहर, कुछ काम करो, पैसे कमाओ। माधवन ने बताया कि कैसे उनकी पत्नी ने उनमें काम के प्रति आ रहे बदलाव पर ध्यान दिलाया। माधवन ने कहा कि एक दिन मेरी पत्नी ने मुझसे पूछा कि आपको क्या हो गया है? आप काम पर ऐसे जा रहे हो जैसे जल्दी से वापस आना चाहते हो।

इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती: जोया

मुंबई। हाल ही में अभिनेत्री जोया आफरोज ने फिल्म गांधी टॉक्स की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के कम्युनल वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए। जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए। गांधी टॉक्स की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है।

हसरंगा टी20 विश्व कप से बाहर हुए

कोलंबो। श्रीलंका के रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। हसरंगा जैसे बेहतरीन गेंदबाज का इस प्रकार टूर्नामेंट से बाहर होना सह-मेजबान श्रीलंका के लिए करारा झटका है। हसरंगा को कोलंबो में रविवार को आयरलैंड के खिलाफ हुए मैच के दौरान चोट लगी थी और एमआरआई स्कैन जांच के बाद ये पाया गया कि वह अब आगे नहीं खेल पायेंगे क्योंकि उनकी चोट गंभीर है। इंग्लैंड के एक विशेषज्ञ ने रिपोर्ट देखने के बाद उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर होने की सलाह दी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अब हसरंगा चार सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। हसरंगा की कमी पूरी करना लंकाई टीम के लिए संभव नहीं है। वह एक मैच विजेता गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज भी हैं।

इंग्लैंड टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के चेहरे की सफल सर्जरी

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स की चेहरे की सफल सर्जरी हो गई है। स्टोक्स को क्रिकेट बॉल गाल पर लगने से उनके चेहरे पर काफी चोट आई थी। 34 साल के स्टोक्स ने मंगलवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, हो सकता है ऐसा न लगे...लेकिन सर्जरी सफल रही। स्टोक्स नेट्स सेशन के दौरान साइड में खड़े थे पिछले हफ्ते, उन्होंने अपनी चोट की जानकारी देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, आपको गेंद की हालत देखनी चाहिए। क्रिकइंफो के अनुसार, जब स्टोक्स को चोट लगी, तब वे बैटिंग या बॉलिंग नहीं कर रहे थे, बल्कि नेट्स सेशन के दौरान साइड में खड़े थे। ऑलराउंडर स्टोक्स पिछले महीने सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के दौरान एडवर्टर इंजरी के कारण मैदान छोड़ने के बाद से क्रिकेट से बाहर हैं।

मुंबई इंडियंस ने विराट की टीम को नहीं दिया स्टेडियम आरसीबी ने डीवाई पाटिल स्टेडियम की डिमांड की थी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल 2026 सीजन में नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को अपना होम ग्राउंड नहीं बना पाएगी। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने इस स्टेडियम के इस्तेमाल के लिए जरूरी मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एमआई ने आरसीबी को आवश्यक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी नहीं किया, जिसके कारण यह विकल्प फिलहाल खत्म हो गया है। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली आरसीबी टीम का हिस्सा हैं।

4 जून को बेंगलुरु में आरसीबी के आईपीएल विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़े आयोजनों को लेकर सख्त रुख अपनाया। इसी वजह से बीसीसीआई

को विजय हजारे ट्रॉफी और विमेंस वर्ल्ड कप के कुछ मैच भी बेंगलुरु से बाहर शिफ्ट करने पड़े थे। इसके बाद 17 जनवरी को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को कर्नाटक सरकार से स्टेडियम में आईपीएल और इंटरनेशन मुकाबलों की मेजबानी की मंजूरी मिल गई हैं। केएससीए ने प्रेस नोट जारी कर इसकी जानकारी दी थी। हालांकि फिर कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि आरसीबी खुद अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने मैच नहीं कराना चाहती है। इसी वजह से आरसीबी अभी भी आईपीएल 2026 में अपने मैचों की मेजबानी के लिए मैदान की तलाश कर रही है।

एमआई ने कहा कि देश में कई अन्य स्टेडियम है

अगर कोई फ्रेंचाइजी किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के होम ग्राउंड के पास अपना होम बेस बनाना चाहती है, तो उसे उस फ्रेंचाइजी से मंजूरी लेनी होती है। वानखेड़े स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम ज्यादा दूर नहीं हैं। अगर कोई टीम डीवाई पाटिल में बेस बनाना चाहती है, तो वानखेड़े से ऑपरेट करने वाली फ्रेंचाइजी की अनुमति जरूरी है। एमआई ने कहा कि देश में कई अन्य स्टेडियम है और आरसीबी को पहले उन पर विचार करना चाहिए।

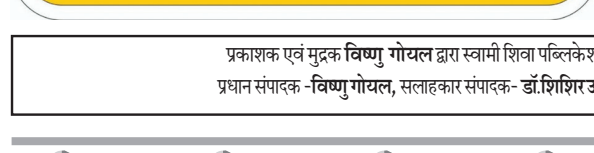

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com